www.mumbaitarang.com

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

MUMBAI TARANG

मुंबई तरंग

यदि जिंदगी में कभी बुरा वक़्त ना आये तो गैरों में छुपे अपनों और अपनों में छुपे गैरों का पता नही चलता

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल   उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-02 ❖ अंक-17 ❖ मुंबई ❖ रविवार 18 से 24 अप्रैल 2021 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3
पाकिस्तानी साजिश का पर्दाफाश! जवानों ने पकड़ी 300 करोड़ रुपए की ड्रग्स

पेज 5
अस्पतालों में दवाएं और उपकरण की न हो कमी, सीएम योगी ने लिया यह फैसला

पेज 7
जरुरतमंदों के 'मददगार' सोनू सूद को हुआ कोरोना, ट्वीट कर फैन्स को दी जानकारी

पेज 8
चैत्र नवरात्रि के अनुष्ठानीय दिनो में मोरारी बापू द्वारा कथा अनुष्ठान पूर्ण होगा

कोरोना की तीसरी लहर से निपटने के लिए उद्योग जगत तैयार करे योजना! - मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे का आह्वान

मुंबई, उद्योगपतियों ने कहा, हम आपके साथ हैं कोरोना के तेजी से बढ़ रहे संक्रमण को देखते हुए मौजूदा स्थिति में ऑक्सीजन की अत्यंत जरूरत है, इसके अलावा उद्योग जगत दवा, बेड की सुविधा बढ़ाने, जांच केंद्र टीकाकरण की गति बढ़ाने जैसी इस लड़ाई में जितना हो सके, उतना सहयोग राज्य सरकार को करें। कोरोना की तीसरी लहर से निपटने के लिए उद्योग जगत योजना तैयार करे, ऐसा आह्वान मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कल राज्य के उद्योगपतियों से किया। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए फिकी, सीआईआई समेत अन्य उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना की तीसरी लहर आने पर उद्योग- व्यापार और अर्थव्यवस्था को नुकसान न पहुंचे इसलिए उद्योग क्षेत्र आज से ही कोविड-१९ के लिए कारगर कार्य पद्धति बनाकर उस तरह की सुविधा निर्माण करें और कार्यप्रणाली पर अमल करें। मुख्यमंत्री के इस आह्वान पर प्रतिसाद देते हुए प्रमुख उद्योगपतियों ने विश्वास दिलाया कि इस लड़ाई में पूरा उद्योग जगत उनके साथ है। जल्द होगी उद्योगों के टास्क फोर्स की स्थापना राज्य में जिस तरह से स्वास्थ्य कोरोना टास्क फोर्स का गठन किया गया है, उसी तरह उद्योग टास्क फोर्स गठित करने का निर्देश मुख्यमंत्री ने राज्य के मुख्य सचिव को दिया है। बैठक में उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने बताया कि ऑक्सीजन की व्यवस्था जल्द कराई जाएगी। इसके अलावा क्वॉरंटीन बेड की सुविधा बढ़ाने, जांच केंद्र की स्थापना और टीकाकरण बढ़ाने के लिए उद्योग क्षेत्र की ओर से पहल की जाएगी। उद्योग क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने बताया कि राज्य की मांग को देखते हुए प्राथमिकता के साथ अपने-अपने तरीके से ऑक्सीजन की व्यवस्था कराई जा रही है। इस बैठक में उद्योगपति उदय कोटक, निरंजन हीरानंदानी, दीपक मुखी, हर्ष गोयंका, सलील पारेख, नील रहेजा, संजीव बजाज, अनंत गोयंका, बाबा कल्याणी, बी त्यागराजन, अनंत सिंघानिया, बनमाली अग्रवाल, अश्विन यार्दी, एस. एन सुब्रह्मण्यम, सुनील माथुर, संजीव सिंह, नौशाद फोर्बस, सुलज्जा फिरोदिया, समीर सोमैय्या, आशीष अग्रवाल आदि उद्योगपतियों सहित उद्योग मंत्री सुभाष देसाई, स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे, राज्य के मुख्य सचिव सीताराम कुंटे सहित संबंधित विभागों के आला अधिकारी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी उद्योगपति राज्य के परिवार के सदस्य हैं। इस संकट की घड़ी में उन्हें आगे आकर मदद करनी चाहिए। कोरोना से निपटने के लिए सुविधाओं का निर्माण करते समय, जो आवश्यकता पड़ेगी सरकार सहयोग देगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना की तीसरी लहर से निपटने के लिए उद्योग जगत योजना तैयार करे। राज्य को ऑक्सीजन की बहुत ज्यादा जरूरत है। मौजूदा समय में जितना ऑक्सीजन का उत्पादन हो रहा है, उसका उपयोग मेडिकल सेवा में किया जा रहा है। मरीजों की संख्या को देखते हुए ऑक्सीजन की मांग बढ़ रही है। हमने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी इस संबंध में सूचित किया है। कल हमने शाम को प्रधानमंत्री से संपर्क करने की कोशिश की। हालांकि पश्चिम बंगाल के चुनाव में व्यस्त होने के कारण उनसे बातचीत नहीं हो पाई। केंद्र की ओर से महाराष्ट्र को सहयोग मिल रहा है। कोरोना की कितनी लहर आएगी, आज बताया नहीं जा सकता। लेकिन अब राज्य के उद्योगों को भी इस चुनौती का सामना करने के लिए कारगर योजना बनानी होगी। पिछले एक साल में विश्व के अन्य देशों ने कोरोना का अनुभव किया है और समय-समय पर प्रतिबंध लगाए हैं। आगे लॉकडाउन अथवा प्रतिबंध के कारण उद्योगों को दिक्कतें न आए, इसका ख्याल आप लोगों को रखना चाहिए। शिवभोजन थाली जैसे कल्याणकारी उपक्रमों पर हो विचार मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा कि कोरोना संकट में राज्य सरकार की शिव भोजन थाली योजना जरूरतमंदों का पेट भर रही है। अपने सीएसआर के माध्यम से इस तरह का उपक्रम उद्योग परिसर कॉलोनियों और गांव में चलाने पर सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वाह होगा।

घुमक्कड़ धरे जाएंगे!...अमल में आया तिरंगा स्टीकर सिस्टम

मुंबई पुलिस के आयुक्त हेमंत नगराले के मुताबिक सड़कों पर बिना जरूरी कारण के भी लोग निकल रहे हैं। इसकी वजह से ट्रैफिक जाम हो रहा है। सड़कों पर जाम होने के कारण डॉक्टर और अन्य जरूरी सेवाओं से जुड़े लोगों के सामने समस्याएं पैदा हो रही हैं। इसे ध्यान में रखते हुए मुंबई पुलिस तीन रंगों के स्टीकर जारी किया है। ये स्टीकर आवश्यक सेवाओं से जुड़े हुए लोगों को अपने वाहन पर लगाना होगा, ताकि उसे चिह्नित करना आसान हो जाए। स्वास्थ्य विभाग से जुड़े हुए लोगों को लाल रंग के स्टीकर दिए जाएंगे, वहीं खाद्य सामग्री से जुड़े हुए लोगों को हरा स्टीकर दिया जाएगा और पीला रंग का स्टीकर प्रेस, मनपा और अन्य आवश्यक सेवा में आनेवाले लोगों को दिया जाएगा।

कहां मिलेगा स्टीकर?

नगराले ने बताया कि नाकाबंदी, टोलनाके जैसे जगहों पर पुलिस आवश्यक सेवाओं वाले वाहनों को यह स्टीकर मुफ्त में बांटेगी। इन सेवाओं से जुड़े हुए लोगों को स्टीकर लेने के लिए अपना पहचान-पत्र दिखाना होगा। स्टीकर लेने के बाद यह वाहन के चालक की जिम्मेदारी बनती है कि वह वाहन के आगेवाली कांच और पीछेवाली कांच पर स्टीकर लगाकर रखे। इसकी वजह से आवश्यक सेवाओं की गाड़ियों को आवा-जाही में दिक्कत का सामना नहीं करना पड़ेगा। आयुक्त ने बताया कि यह नियम शनिवार शाम से लागू हो गया।

फर्जी स्टीकर लगाने पर कार्रवाई

अगर कोई फर्जी तरीके से स्टीकर को लगाकर घूमते हुए पाया गया तो उसके खिलाफ पुलिस आईपीसी की धारा ४१९ और अन्य धाराओं के तहत कार्रवाई करेगी। इस स्टीकर सिस्टम से बेवजह घूमनेवालों पर लगाम लगेगी और ट्रैफिक की समस्या उत्पन्न नहीं होगी।

कोरोना पर ब्रेक नहीं लगा तो संपूर्ण लॉकडाउन जल्द! अजित पवार ने दिए संकेत

मुंबई, महाराष्ट्र में कोरोना वायरस के कहर को देखते हुए 15 दिनों तक कड़ी पाबंदी लगाई जा चुकी है। इस बीच, चर्चा है कि अगर इसके बावजूद भी कोरोना मामलों में कमी नहीं आई तो महाराष्ट्र सरकार संपूर्ण लॉकडाउन लगाने का फैसला ले सकती है। शुक्रवार को उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने बताया कि हमारे मंत्रिमंडल में शामिल कुछ मंत्रियों ने कहा कि अगर फिलहाल की पाबंदी का लोग ठीक तरह से पालन नहीं करते हैं तो न चाहते हुए भी पिछले साल की तरह संपूर्ण लॉकडाउन लगाने का वक्त आ सकता है।

गौरतलब है कि गत 13 अप्रैल को सीएम उद्धव ठाकरे ने साफ किया था कि मिनी लॉकडाउन के दौरान जरूरी सेवाओं को छोड़कर सारे दफ्तर बंद रहेंगे। ईकॉमर्स, बैंक, मीडिया, पेट्रोल पंप, सुरक्षा गार्ड जैसे लोगों को इसमें छूट दी गई है। रेस्तरां आदि खुले रहेंगे, लेकिन वहां बैठकर खाने पर रोक होगी। सिर्फ होम डिलिवरी और टेक-अवे की सुविधा रहेगी। अजित पवार ने कहा कि महाराष्ट्र के सभी विधायकों को सालाना 4 करोड़ रुपये विधायक निधि के मिलते हैं। हमने फैसला लिया है कि कोरोना मरीजों से जुड़ी सुविधाओं के लिए हर विधायक निधि से एक करोड़ रुपये लिए जाएंगे। बता दें कि कुछ दिन पहले महाअखाड़ी सरकार में शामिल कांग्रेस और शिवसेना के बीच मतभेद की खबरें सामने आई थीं।

मुंबई की मेयर ने कहा- कुंभ से लौटने वाले लोग प्रसाद के रुप में बांटेंगे कोरोना

मुंबई, देशभर में कोरोना की स्थिति भयावह होती जा रही है। इसी बीच मंबई की मेयर किशोरी पेडनेकर ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि हरिद्वार कुंभ से लौटने वाले लोग अपने-अपने राज्यों में प्रसाद के रूप में कोरोना को बांटने का काम कर करेंगे। मुंबई की मेयर ने कहा कि कुंभ में बड़ी संख्या में लोग स्नान को गए थे, जोकि अपने राज्य वापस लौट रहे हैं।

ये लोग कोरोना को प्रसाद की तरह बांटने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि इन सभी लोगों को चाहिए कि अपने स्वयं के खर्चे पर क्वारंटीन हो जाएं। उन्होंने कहा कि राज्य में कुंभ से लौटने वाले लोगों को क्वारंटीन किए जाने पर विचार किया जा रहा है।

वहीं, मेयर ने कहा कि मुंबई के 95 प्रतिशत लोग कोरोना नियम का पालन कर रहे हैं, लेकिन 5 प्रतिशत लोग इसका पालन नहीं कर रहे हैं, जोकि दूसरे लोगों के लिए परेशानी का कारण बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह की स्थिति है, उसको देखते हुए पूर्ण लॉकडाउन पर विचार किया जाना चाहिए। बता दें कि महाराष्ट्र के मुंबई में कोरोना केस तेजी से सामने आ रहे हैं, जिसको लेकर राज्य सरकार सतर्क है और पूरी सख्ती बरत रही है। वहीं, पुणे में भी कोरोना के मामले लगातार मिल रहे हैं। वहीं, मुंबई के भिवंडी में कोरोना मरीजों के लिए मनपा के अस्पतालों एवं शहर के निजी अस्पतालों में बेड की कमी नहीं है। मनपा आयुक्त डॉ. पंकज आशिया ने बताया कि इस समय भिवंडी में 840 ऐक्टिव मरीज हैं, जिनमें से 710 मरीज ठीक होकर अपने घर जा चुके हैं। उनके घर में अच्छी सुविधा होने के कारण उन्हें होम आइसोलेशन की अनुमति दी गई है। हालांकि, शहर के अस्पतालों में जहां ऑक्सीजन की कमी है। वहीं रेमेडिसिविर इंजेक्शन की कालाबाजारी की खबरों के बीच सरकार ने इसे नियंत्रित करने के लिए कुछ कदम उठाए हैं।

मोदी सरकार ने महाराष्ट्र को रेमडेसिविर की सप्लाई पर लगाई रोक! BJP बोली- 'सबूत दें या माफी मांगे नवाब मलिक'

मुंबई, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेता और महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक ने शनिवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने निर्यात कंपनियों को राज्य को रेमडेसिविर की सप्लाई नहीं करने के लिए कहा है। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र में सत्तासीन बीजेपी को कोरोना वायरस से निपटने के बजाय चुनाव जीतने में अधिक दिलचस्पी है।

बीजेपी ने यह कहते हुए उन पर पलटवार किया कि मलिक को 'झूठे' एवं 'बेबुनियाद' आरोप लगाने के लिए माफी मांगनी चाहिए, अन्यथा सबूत देना चाहिए। उसने कहा कि उन्हें अपने पद से हट जाना चाहिए। मलिक के आरोप से कुछ दिन पहले केंद्र ने कोविड-19 के मामलों में बढ़ोत्तरी के चलते रेमडेसिविर इंजेक्शन के निर्यात पर रोक लगा दी थी। रेमडेसिविर कोविड-19 के क्लिनिकल प्रबंधन प्रोटोकॉल के तहत गंभीर मरीजों के इस्तेमाल के लिए दवा है। महाराष्ट्र के अल्पसंख्यक कार्य मंत्री ने ट्वीट किया, 'यह दुखद और चौंकाने वाली बात है कि जब महाराष्ट्र सरकार ने 16 निर्यात कंपनियों से रेमडेसिविर मांगा तब हमसे कहा गया कि केंद्र सरकार ने उन्हें महाराष्ट्र को यह दवा नहीं देने को कहा है।' उन्होंने कहा कि यह खतरनाक परिपाटी है और ऐसी स्थिति में तो राज्य सरकार के पास इन निर्यातकों से रेमडेसिविर का भंडार जब्त करने और उसे जरूरतमंदों को देने के सिवा कोई विकल्प नहीं रह जाएगा। इससे पहले मलिक ने ट्वीट किया था 'देश में 16 यूनिटों के पास रेमडेसिविर की 20 लाख वाइल्स (शीशियां) हैं। चूंकि सरकार ने अब निर्यात पर पाबंदी लगा दी है, इसलिए ये इकाइयां देश में यह दवा बेचने की अनुमति मांग रही हैं, लेकिन सरकार उन्हें अनुमति नहीं दे रही है।

समाचार पत्र अत्यावश्यक सेवा ही! स्टॉल पर बिक्री व घर-घर वितरण पर पाबंदी नहीं

मुंबई, 'समाचार पत्र' अत्यावश्यक सेवा होने के कारण ही समाचार पत्रों की छपाई, बिक्री एवं वितरण पर कोई पाबंदी नहीं है, ऐसा राज्य सरकार के आदेश में कहा गया है। समाचार पत्रों की बिक्री स्टॉल पर की जा सकती है, साथ ही समाचार पत्रों से जुड़े सभी विक्रेताओं व कर्मचारियों को रेलवे, बस से यात्रा करने की सहूलियत सरकार ने दी है। पुलिस एवं संबंधित मनपा भी समाचार पत्र विक्रेताओं को सहयोग करें, ऐसा निर्देश भी सरकार की ओर से दिया गया है।

कोरोना की रोकथाम के लिए सरकार ने राज्यभर में १५ दिन की संचार बंदी लागू की है, इसमें अत्यावश्यक सेवाओं को राहत दी गई है। इन सेवाओं में समाचार पत्र व्यवसाय का भी समावेश है। समाचार पक्ष की छपाई, बिक्री एवं वितरण को अनुमति होने के चलते समाचार पत्रों के कार्यालय एवं प्रिंटिंग प्रेस इस कालावधि में शुरू रहेंगे।

समाचार पत्रों के वितरण की अनुमति है, परंतु स्टॉल्स पर समाचार पत्र बेचने की मनाई है, ऐसी गलतफहमी प्रशासन के कर्मचारियों को होने के कारण कुछ जगहों पर विवाद हुआ है।

हालांकि समाचार पत्रों के वितरण सहित स्टॉल पर भी पाबंदी नहीं है, ऐसा शासकीय आदेश में स्पष्ट रूप से कहा गया है।

अब जाकर दिखी तेजी

रेकॉर्ड संख्या में आ रहे कोरोना के नए मामलों के बीच देश के कई हिस्सों में टीकों की तंगी की शिकायतें आने लगी हैं।

महाराष्ट्र और ओडिशा सहित कई राज्यों में टीकाकरण केंद्र बंद करने पड़े। कोविड महामारी को आए सालभर से अधिक समय हो गया। ऐसा लग रहा है कि टीके उपलब्ध कराने के ठोस उपाय करने में किसी न किसी स्तर पर सुस्ती बरती गई, जिसका नतीजा अब दिख रहा है।

महामारी का जोर बढ़ने के साथ ही कई देशों ने वैक्सीन के मोर्चे पर कदम बढ़ा दिए थे। अमेरिका ने एक साथ कई कंपनियों को पैसे दिए ताकि वे तेजी से रिसर्च कर सकें। टीका अभी तैयार भी नहीं हुआ था कि पिछले साल जुलाई में ही उसने फाइजर से करीब दो अरब डॉलर में 10 करोड़ डोज खरीदने का करार कर लिया। कई दूसरी कंपनियों से भी उसने इसी तरह के करार कर लिए थे उन्हीं दिनों। नवंबर तक ब्रिटेन और यूरोपीय संघ ने भी इसी तरह के

कदम उठा लिए थे। रूस ने रशियन डायरेक्ट इनवेस्टमेंट फंड से वैक्सीन रिसर्च की फंडिंग की।

इधर दुनिया में टीके बनाने वाली सबसे बड़ी कंपनी सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया है भारत में, लेकिन हाल यह रहा कि उससे पहले तो बात की गई शुरुआती 10 करोड़ डोज के सस्ते दाम पर। और फिर लंबे इंतजार के बाद इस साल जनवरी के दूसरे हफ्ते में टीके खरीदने का करार किया गया। वह भी केवल एक करोड़ 10 लाख डोज के लिए। एस्ट्राजेनेका का जो कोविशील्ड टीका सीरम बना रही है, उसके एक अरब डोज के लिए एस्ट्राजेनेका ने पिछले साल मई में ही सीरम से डील कर ली थी। भारत में सरकारी मशीनरी किस बात का इंतजार कर रही थी? हाल यह है कि अभी सीरम और भारत बायोटेक मिलकर भी करीब सात करोड़ डोज ही बना पा रही हैं हर महीने। इस मामले में अमेरिका से सबक लेना चाहिए। अमेरिका ने जनहित में टैक्सपेयर का पैसा दिया प्राइवेट कंपनियों को रिसर्च करने के लिए। वहीं वह उनका पहला ग्राहक भी बना। इससे कंपनियों के सामने शोध और उत्पादन के मामले में कोई दुविधा नहीं रही। भारत सरकार ने अब विदेश में बने और वहां इस्तेमाल हो रहे टीकों को मंजूरी की प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्णय किया है। रूस में बनी स्पूतनिक V वैक्सीन के आपात उपयोग की मंजूरी दी गई। देर तो हुई, लेकिन ये सही कदम है। भारत बायोटेक और ICMR ने मिलकर कोवैक्सीन के मामले में अच्छा काम किया।

इस दिशा में और आगे बढ़ना चाहिए। सरकार को प्राइवेट कंपनियों को अग्रिम भुगतान कर साफ कर देना चाहिए कि कितने टीके चाहिए और किस भाव पर। इससे उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी। नवंबर में मंजूर किए गए 900 करोड़ रुपये के कोविड सुरक्षा फंड से एक भी किस्त जारी नहीं हुई है।

कंपनियों को इसके जरिए जल्द मदद दी जाए। अभी एक फीसदी से भी कम लोगों को लग सका है टीका। साफ है कि चुनौती बड़ी है और जरूरत तेजी से सही फैसले करने की है।

असम में नया क्या हुआ?

किरीट ए. चावड़ा

असम विधानसभा चुनाव का नतीजा 2 मई को आएगा। वहां पार्टियां अपने उम्मीदवारों की हिफाजत को लेकर अभी से चौकन्ना हो गई हैं। विपक्षी गठबंधन में शामिल एआईयूडीएफ के 19 में से 18 उम्मीदवारों को कांग्रेस जयपुर ले गई। वहां उन्हें एक होटल में ठहराया गया। गठबंधन के सहयोगी दल बोडोलैंड पीपल्स फ्रंट ने भी ऐसा ही किया। अपने 11 प्रत्याशियों को उसने कोकराझार के एक होटल में पहुंचा दिया। विपक्ष को डर है हॉर्स ट्रेडिंग का। अब तक भारतीय लोकतंत्र ने चुनाव परिणाम के बाद जन प्रतिनिधियों को लुभाने का खुला खेल देखा था। असम में जो कुछ हुआ है, वह इस लिहाज से चौंकाने वाली बात है। लेकिन यह कोई नई चीज नहीं है। यह पहले से चले आ रहे सिलसिले की एक कड़ी भर है। 1967 के आम चुनाव और 1969 में कई राज्यों में चुनाव के बाद 500 से ज्यादा निर्वाचित जन प्रतिनिधियों ने एक से दूसरे दल का दामन थामा।

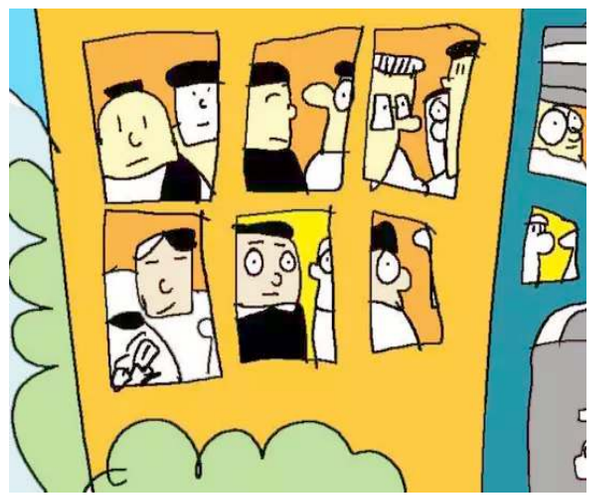

उसी दौर में 15 दिनों के भीतर तीन बार इधर से उधर जाने वाले हरियाणा के विधायक गया लाल के नाम पर तो मुहावरा ही बन गया आया राम गया राम का। 1980 में हरियाणा के भजनलाल के साथ पूरी की पूरी सरकार के कांग्रेस में शामिल होने और 1984 में तमिलनाडु की एन टी रामाराव सरकार में भास्कर राव के जरिए कांग्रेस के सेंध लगाने से लेकर अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, कर्नाटक, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गोवा और पुडुचेरी जैसे राज्यों में हाल के वर्षों में जो कुछ देखा गया, असम की घटना उसी की एक कड़ी है। 52वें संविधान संशोधन के जरिए 1985 में बना दल-बदल विरोधी कानून भी हांफता दिखता है ऐसी कारगुजारियों के आगे। दरअसल लोकतंत्र से खिलवाड़ किसी कानून से शायद ही रुके। चुनावों में मनी और मसल पावर का दखल जिस तरह बढ़ा है, उसका नतीजा है असम की घटना। काले धन का सीधा संबंध चुनावों से है।

छोटे स्तर की चालबाजियां करने वालों से लेकर कॉरपोरेट ग्रुप्स तक राजनीतिक दलों को अपनी ताकत के मुताबिक चंदा देते हैं। ऐसे चंदे का कोई हिसाब-किताब नहीं होता। इसकी कीमत वसूली जाती है बाद में। नीचे से ऊपर तक भ्रष्टाचार का नाला इसी चंदे से शुरू होता है। अकूत पैसा बहाया जाता है चुनावों में, लेकिन निर्वाचन आयोग के सामने तय सीमा में खर्च के आंकड़े रख दिए जाते हैं। राजनीतिक दलों को चंदे को लेकर पारदर्शिता बरतनी चाहिए, वहीं वोटरों को इसके लिए उन पर दबाव बनाना होगा। उन्हें बार-बार यह सवाल पूछना होगा कि राजनीतिक दल क्यों नहीं देते अपने चंदे का पूरा हिसाब? पूरी चुनाव प्रक्रिया को साफ-सुथरा बनाना स्वस्थ लोकतंत्र के लिए जरूरी है। ऐसा हो जाए तो असम में जो कुछ हुआ है, वैसी पेशबंदी की जरूरत भी नहीं रहेगी।

लखनऊ को टूटकर चाहने वाला आशिक

जिगर डी वाढेर

लोगों ने शीरी-फरहाद, लैला-मजनूं की मोहब्बत के किस्से सुने हैं, पर यह इंसानी दिलों में धड़कती मोहब्बत की दास्तानें हैं। हमने एक शहर और उसके आशिक की मोहब्बत की नायाब दास्तान देखी-सुनी है। योगेश प्रवीण और लखनऊ की मोहब्बत किसी भी मायने में किसी की मोहब्बत से कमजोर नहीं है। लोगों की नजरों में उनका इस शहर से चाहे जो रिश्ता हो, मुझे उनमें शहर का वह आशिक दिखा, जो लखनऊ की हर अंगड़ाई से मोहब्बत करता था, इसके तल्ख रवैय्ये पर भी जान छिड़कता था।

बचपन में उन्होंने विज्ञान को चाहत बनाकर डॉक्टर बनने का ख्वाब देखा, मगर एक बीमारी ने उन्हें उस ख्वाब से दूर कर दिया। मेडिकल कॉलेज के बेड पर पड़े-पड़े उन्होंने अपनी मां के आंचल के सामने जो तय कर लिया, वह उस वक्त इतना साफ नहीं था। यह पता नहीं था कि आगे क्या होगा, क्या करेंगे, जीवन किधर जाएगा? लेकिन योगेश जी जानते थे कि जैसे गोमती हजारों मोड़ लेकर अपने उद्गम से लखनऊ तक पहुंची है, वह भी कहीं पहुंच ही जाएंगे।

अमृतलाल नागर के कहने पर उन्होंने लखनऊ पर लिखना शुरू किया। अमृतलाल जी ने उनसे कहा,

'योगेश, तुम हमसे बेहतर लखनऊ को दिखा पाओगे।' वाकई, फिर तो योगेश जी ने लखनऊ की वे परतें खोलीं, जो सदियों से उस आशिक का इंतजार कर रही थीं, जो टूटकर उन्हें चाहे। लगता था कि इमारतें उनसे बातें करती थीं, गलियां उन्हें खुद खोजती थीं, किस्से उन पर खुद जाहिर हो जाते थे। यह किसी इतिहासकार का होना तो नहीं था, यह उससे बहुत आगे की बातें हैं।

एक बार उनसे किताब मयूरपंख पर बात हो रही थी। इस किताब के लिए मशहूर कवयित्री महादेवी वर्मा ने कहा था, 'मयूरपंख मार्मिक कविताओं का संग्रह है, रचनाओं में

मनोभावों की मधुर अभिव्यक्ति है, जो हृदय को छूने वाली है। ऐसा योगेश ही लिख सकते हैं।' योगेश जी से हमने पूछा कि मयूरपंख, बिरह बांसुरी जैसी बेहतरीन काव्य रचना का आप इतना जिक्र नहीं करते, जितना लखनऊ का, तो हंसते हुए बोले, 'मोहब्बत की है तुमने? अगर की होती, तो यह सवाल नहीं होता।' सच में वह लखनऊ को अपनी दूसरी हर खूबी, हर फन से ऊपर रखते थे। जब उनकी बायोपिक बनाने की शुरुआत हुई, तो वह चाहते थे कि पूरा लखनऊ उसमें दिख जाए। वह हर जगह उसमें जोड़ना चाहते थे। मगर फिल्म की एक सीमा होती है, वह इसे भी समझते थे, क्योंकि लखनऊ से गुजरी लगभग हर फिल्म उनके हाथ को छूकर ही तो गुजरी थी।

मशहूर फिल्म उमराव जान हो, निकाह हो या जुनून, सबमें उनकी छाप थी। कहीं उनकी बताई लोकेशन होती, तो कहीं उनके लिखे गीत। कहीं उनके बताए किस्से, तो कहीं एक्टर को लखनवी तहजीब सिखानी हो, सब जगह वही होते थे। आकाशवाणी तो उनका सदैव कृतज्ञ रहेगा। प्रशासनिक अधिकारियों की ट्रेनिंग तक में योगेश जी को हमने भविष्य के ब्यूरोक्रेट्स को तहजीब सिखाते देखा। हर चीज के पीछे बस एक ही तो बात थी कि इस तहजीब को जानो और उससे मोहब्बत करो।

योगेश प्रवीण ने दिखाया कि कैसे एक शहर से मोहब्बत की जाती है, कैसे उस मोहब्बत की तर्बियत की जाती है। उन्होंने हजारों लोगों के दिलों में लखनऊ की मोहब्बत भरी। वह एक ऐसे आशिक थे, जो अपने महबूब से मोहब्बत करने वालों से इश्क करते थे और नए लोगों को तैयार करते कि इन गलियों को चूम लो, इन्हें अपनी चाहत बना लो।

अगर हम यह कहें कि योगेश जी के जीवन से तमाम खूबियों को निकाल लो, फिर भी वह अपने एक ही फन से दुनिया में चमकते रहेंगे, तो वह है उनके लिखे भजन। अनूप जलोटा ने उन्हें गाकर यह माना कि उनकी कलम ने ही उन्हें आज अनूप जलोटा बनाया है। भजन, कविता, गीत, शे'र यह सब तो उनकी मोहब्बत के सामने छिप से गए, जबकि इनमें से एक भी उनके जितनी पकड़ के साथ किसी के पास हो, तो वह इतराता फिरे। मगर बहुत सादा, बहुत आसान, बहुत गहरे योगेश जी हर एक को सुलभ थे। उनके जाने के बाद अब लखनऊ के आशिक कहते हैं कि न उनके जैसा कोई था, न कोई दूसरा आएगा।

संघ के सामने हैं कई अनसुलझे सवाल

भूपेन्द्र पटेल

संघ परिवार अगर आज विरोधी खेमों के नेताओं में दिख रही निष्ठावान हिंदू साबित करने की होड़ को अपने लाखों कार्यकर्ताओं के परिश्रम, पुरुषार्थ और बलिदान का परिणाम मानता है तो यह स्वाभाविक है। प्रश्न है कि क्या यही पर्याप्त भी है? इसका उत्तर है, नहीं। वास्तव में इन सारे संगठनों के लिए अपनी जिम्मेदारियों का नए सिरे से आकलन कर उसके निर्वहन की ओर अग्रसर होने का समय आ गया है। परम वैभव का मतलब सबसे पहले इस सच को मानना होगा कि हिंदुत्व को लेकर देश और दुनिया में तो गलतफहमियां हैं ही, संघ परिवार के अंदर भी इसकी व्यावहारिक रूपरेखा स्पष्ट नहीं है। दो दशक पहले तक आप संघ के कार्यकर्ताओं से पूछते कि उनके हिंदुत्व का लक्ष्य क्या है तो उत्तर मिलता- भारत राष्ट्र को परम वैभव पर पहुंचाना। परम वैभव की कल्पना क्या है, इसको लेकर अस्पष्टता रही है। विरोधी हमेशा संघ से अर्थ नीति को लेकर प्रश्न करते रहे हैं, जिसका उत्तर सिद्धांत रूप में तो मिला, लेकिन उसकी व्यावहारिक रूपरेखा सामने नहीं आई। इसी तरह राजनीति, सत्ता, लोकतंत्र, प्रशासन आदि पर भी मोटा-मोटी विचार ही समय-समय पर सामने आए हैं। यह प्रश्न भी उठता रहा है कि भारत में दूसरे मजहब के लोगों के प्रति व्यवहार कैसा होना चाहिए? अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बेंगलुरू बैठक में संघ प्रमुख मोहन भागवत और भैयाजी जोशी बीजेपी अब अखंड भारत शब्द का प्रयोग नहीं करती, लेकिन जब वह सत्ता में नहीं थी तो संघ परिवार के अन्य संगठनों की तरह ही अखंड भारत की वकालत करती थी। इसकी भी पूरी परिकल्पना सामने आनी चाहिए। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने तीन साल पहले राजधानी दिल्ली के विज्ञान भवन में तीन दिनों का कार्यक्रम रखकर अपनी ओर से हिंदुत्व और संघ की विचारधारा को स्पष्ट करने की कोशिश की। अब आगे बढ़कर व्यावहारिक रूपरेखा के साथ सामने आने की आवश्यकता है। हिंदुत्व आधारित व्यवस्था का केंद्र भले भारत है, लेकिन इसका चरित्र विश्वव्यापी है। हिंदुत्व की मूल अवधारणा केवल मनुष्य और जीव नहीं, सृष्टि के हर कण के अंदर एक ही आत्म तत्व को देखने की है। जब हिंदुत्व की दृष्टि संपूर्ण पृथ्वी को माता मानती है और उस पर वास करने वालों को उसकी संतान तो फिर भेदभाव का प्रश्न कहां पैदा होता है? लेकिन नीति और व्यवहार को लेकर स्पष्टता होनी चाहिए ताकि दुनिया के समक्ष एकदम साफ तस्वीर रहे। आम कार्यकर्ताओं और समर्थकों के अंदर यह भाव बैठाना होगा कि इतनी व्यापक विचारधारा को साकार करने के लिए लंबे धैर्य की आवश्यकता है। उतावलेपन का कोई भी व्यवहार हिंदुत्व का लक्ष्य बाधित करेगा। हिंदू समाज जिस तरह जातियों में बंटा है, उसमें पारस्परिक निर्भरता वाला सहकारी जीवन खड़ा करना आज असंभव लगता है। तो समाज में अव्यवस्था लाए बिना धीरे-धीरे जाति भेद कैसे खत्म हो, इस पर भी गहरा मंथन करने और फिर उसके मुताबिक आचरण करने की आवश्यकता है। अर्थ नीति को लेकर जनसंघ के समय से मंथन हुआ।

जनसंघ के विचार स्रोत पंडित दीनदयाल उपाध्याय की एकात्म मानववाद और पंचवर्षीय योजना पर उनकी टिप्पणियों को अर्थनीति का आधार बताया जाता है। अब आप सत्ता में हैं तो अर्थव्यवस्था से जुड़ा आपका अजेंडा विश्व के सामने आना ही चाहिए। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के कार्यकाल में भूमंडलीकरण नहीं हुआ था। तब और आज की अर्थव्यवस्था में आमूल परिवर्तन आ चुका है। बीजेपी ने पहली बार 1992 में गंगानगर कार्यकारिणी में अर्थव्यवस्था की अपनी कल्पना सामने रखी थी। आज बीजेपी नेताओं को भी गंगानगर दस्तावेज याद नहीं।

यह स्वीकारने में समस्या नहीं है कि राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय ढांचे से बिल्कुल अलग होकर अर्थव्यवस्था खड़ी नहीं कर सकते। बावजूद इसके, आपकी अवधारणाएं स्पष्ट होनी चाहिए, जिसके आधार पर इस ढांचे के अंदर काम करते हुए धीरे-धीरे परिवर्तन करके देश और विश्व को उस दिशा में सोचने के लिए प्रेरित किया जा सके। अखंड भारत की परिकल्पना को भी ज्यादा स्पष्ट करने की जरूरत है। आजादी के समय जो भारत बंटा, उसके अब तीन भौगोलिक राजनीतिक टुकड़े हैं। क्या उन्हें फिर से भारतीय भूगोल का अंग बनाना ही अखंड भारत की कल्पना है या फिर प्राचीन आर्यावर्त के भूभाग में सांस्कृतिक रूप से एकता का भाव पैदा करते हुए इन्हें भी संगठित करना है? यहां गैर-हिंदुओं खासकर मुस्लिमों के प्रति व्यवहार का प्रश्न खड़ा होता है। मुस्लिम स्वयं को अलग संस्कृति का वाहक मानते हैं। सवाल है, कैसे उनके अंदर यह भाव पैदा हो कि भारतीय संस्कृति विविधता में एकता देखती है। भारत में हिंदू धर्म के अंदर जितने विद्रोह हुए, उन सबको स्वीकार करते हुए हिंदुत्व की धारा आगे बढ़ी। महात्मा बुद्ध जैसे विद्रोही को भी विष्णु का अवतार घोषित कर भगवान का दर्जा दे दिया गया। इस्लाम के प्रणेता मोहम्मद साहब को भी ईश्वर मान लेने में हिंदुओं को आपत्ति नहीं होगी। किंतु इस्लाम व्यक्ति पूजा और ईश्वर के अस्तित्व को स्वीकार नहीं करता। इसका समाधान क्या होगा, इस पर ज्यादा गहराई से विचार की आवश्यकता है।

हृदय परिवर्तन की राह

मध्ययुग में हथियारों से धर्म परिवर्तन हो सकता था। आज न यह संभव है और न इसे आम हिंदू समाज का समर्थन ही मिलेगा। तो इस्लाम के अनुयायी अपनी उपासना पद्धति को जारी रखते हुए किस तरह स्वयं को भारतीय संस्कृति का घटक मानकर आचरण करें, इसका रास्ता तलाशना होगा। हिंदुत्व बल या छल से धर्म परिवर्तन का कभी समर्थन नहीं करता। यह हृदय परिवर्तन की बात करता है।

मुख्यमंत्री की मांग मंजूर एक महीने में शुरू होगा हाफकिन में वैक्सीन बनाने का काम

देशभर में बढ़ रहे कोरोना संक्रमण के मामलों को देखते हुए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से परेल स्थित हाफकिन में कोरोना वैक्सीन बनाने की अनुमति देने की मांग की थी। मुख्यमंत्री की मांग को प्रधानमंत्री ने मंजूर कर लिया है। परिणामस्वरूप एक महीने में हाफकिन में वैक्सीन बनाने का काम शुरू हो जाएगा। यह जानकारी अन्न व औषधि प्रशासन मंत्री राजेंद्र शिंगणे ने दी है। बता दें कि केंद्र सरकार ने मुंबई के परेल स्थित हाफकिन इंस्टीट्यूट को कोरोना की वैक्सीन बनाने की अनुमति दी है। हाफकिन में वैक्सीन बनाने का काम एक महीने में शुरू हो जाएगा। राजेंद्र शिंगणे के अनुसार

वैक्सीन बनाने के लिए १५० करोड़ रुपए का खर्च आएगा। उन्होंने बताया कि राज्य में तेजी से कोरोना के मरीज बढ़ रहे हैं। ऑक्सीजन कम पड़ रही है। राज्य में उत्पादित होनेवाले ऑक्सीजन का उपयोग मरीजों के लिए किया जा रहा है। ऑक्सीजन की कमी को पूरा करने के लिए केंद्र सरकार से हवाई मार्ग से ऑक्सीजन की आपूर्ति करने की मांग की गई है। राज्य में जल्द से जल्द ऑक्सीजन के नए प्लांट लगाने की तैयारी की गई है।

एफडीए मंत्री ने बताया कि राज्य में मौजूदा समय में रेमडेसिवीर इंजेक्शन की किल्लत है। प्रदेश में प्रतिदिन १२ से १५ हजार इंजेक्शन की कमी महसूस की जा रही है। रेमडेसिवीर बनानेवाली कंपनियों से राज्य सरकार चर्चा कर रही है। राज्य सरकार ने कंपनियों को उनके पास मौजूद इंजेक्शन राज्य में ही बेचने की अनुमति दी है, इससे रेमडेसिवीर की कमी पूरी की जा सकेगी।

सरकार द्वारा संचालित हाफकिन फार्मास्यूटिकल्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक डॉ. संदीप राठौड़ ने संवाददाताओं से कहा, 'हमारा लक्ष्य २२.८ करोड़ टीकों का प्रतिवर्ष उत्पादन करना है किंतु उत्पादन शुरू करने में हमें एक वर्ष लग जाएगा।'

गौरतलब हो कि हैदराबाद स्थित भारत बायोटेक ने सीएमआर के साथ मिलकर कोवैक्सीन विकसित की है। देशभर में कोविड टीकाकरण में जो दो टीके दिए जा रहे हैं, कोवैक्सीन उनमें से एक है। डॉ. राठौड़ ने बताया कि कंपनी को उसके परेल संयंत्र में टीके का उत्पादन करने का अनुबंध मिला है।

पाकिस्तानी साजिश का पर्दाफाश! जवानों ने पकड़ी 300 करोड़ रुपए की ड्रग्स

पाकिस्तान के हर नापाक इरादे का हिंदुस्थान मुंहतोड़ जवाब देता आया है। हाल ही में भारतीय तटरक्षक के जवानों ने अरब सागर में एक पाकिस्तानी नाव को कब्जे में लेकर उसमें से ३०० करोड़ रुपए की ड्रग्स बरामद की है। गुजरात एटीएस और भारतीय तटरक्षक के जॉइंट ऑपेरशन में ८ पाकिस्तानियों को गिरफ्तार किया गया है। इसके साथ ही हिंदुस्थानी जवानों ने इस साजिश का पर्दाफाश करते हुए हिंदुस्थान में ड्रग्स की 'नो एंट्री' का संदेश पाकिस्तान को दे दिया है।

भारतीय तटरक्षक से मिली जानकारी के मुताबिक गत १३ अप्रैल को उन्हें जानकारी मिली थी कि समुद्र के रास्ते पाकिस्तान से एक संदिग्ध नाव गुजरात आनेवाली है। इसके बाद गुजरात एटीएस को भी अलर्ट कर दिया गया। १४ और १५ अप्रैल की रात भारतीय तटरक्षक ने उस संदिग्ध नाव को हिंदुस्थानी पानी में दबोच लिया। नाव की तलाशी लेने के बाद उसमें से हेरोइन ड्रग्स के ३० पैकेट मिले, हर पैकेट में एक किलो ड्रग्स भरा गया था। कुल ३० किलो ड्रग्स जब्त किए गए।

देवेंद्र फडणवीस ने भूमिपुत्रों की भावनाओं को आहत किया-जयंत पाटील

महाराष्ट्र में पिछले पांच वर्षों तक भाजपा सत्ता में थी, तब भी तत्कालीन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र एकीकरण समिति की मांगों को नजरअंदाज किया था और अब भी एकीकरण समिति के खिलाफ वहां जाकर प्रचार करके उन्होंने यह साबित कर दिया कि भाजपा स्थानीय भूमिपुत्रों के साथ नहीं है। स्थानीय भूमिपुत्रों की भावनाओं को आहत करने का काम देवेंद्र फडणवीस ने किया है, ऐसा जोरदार हमला राकांपा प्रदेश अध्यक्ष और जल संसाधन मंत्री जयंत पाटील ने किया।

जयंत पाटील ने कहा कि देवेंद्र फडणवीस हमेशा दिल्ली के नेताओं को खुश करने में व्यस्त रहते हैं। वो दिल्ली को खुश करने के लिए जो भी करते हैं, करें। लेकिन कोरोना संबंधित या राज्य सरकार की ओर से जो भी अन्य मांगें होती हैं तो उन्हें महाराष्ट्र का पक्ष लेना चाहिए लेकिन ऐसा होता दिखाई नहीं दे रहा है।

बेलगांव लोकसभा क्षेत्र के उपचुनाव के लिए महाराष्ट्र एकीकरण समिति ने शुभम शेलके को उम्मीदवारी दी है इसलिए राकांपा अध्यक्ष जयंत पाटील ने बेलगांव में पत्रकार परिषद का आयोजन किया था। पत्रकार परिषद में पाटील ने कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने हमेशा यहां के स्थानीय लोगों, उनकी मांगों का समर्थन किया है। इसी कड़ी में राकांपा ने शुभम शेलके को समर्थन देने की घोषणा की है। राकांपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष शरद पवार, छगन भुजबल ने कई बार इस क्षेत्र में स्थानीय भूमिपुत्रों के अधिकारों के लिए आंदोलन किया है। हमेशा महाराष्ट्र की एकता कायम रहे, इसके लिए हम सदैव प्रयत्नशील रहते हैं। यह समर्थन भी उस क्षेत्र के रहनेवाले स्थानीय लोगों के लिए है, ऐसा जयंत पाटील ने स्पष्ट किया। इससे पहले, महाराष्ट्र एकीकरण समिति ने संसद में स्थानीय लोगों की आवाज उठाने के लिए लोकसभा चुनाव लड़ा था। समिति के पास यहां की विधानसभा में जनप्रतिनिधि भी हैं। शुभम शेलके लोकसभा में स्थानीय लोगों के मुद्दे उठाएंगे, ऐसा विश्वास पाटील ने व्यक्त किया।

फ्लैट में गांजे की खेती!.... डार्क वेब के जरिए नीदरलैंड से मंगाया जाता था बीज

सऊदी अरब से उठाया जाता था खर्च
क्रिप्टो करंसी का होता था इस्तेमाल
हैड्रोपोनिक तकनीक से होती थी खेती

हिंदुस्थान में किसी भी रास्ते ड्रग्स की खेप पहुंचाना अब तस्करों के लिए आसान नहीं है, इसी वजह से कुछ तस्कर ड्रग्स यहीं बनाते हैं लेकिन एजेंसियों की पैनी नजर से नहीं बच पाते। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने हाल ही में २ ड्रग्स पैडलरों को गिरफ्तार किया है, जो कल्याण के डोंबिवली इलाके के एक २ ँप्ख् फ्लैट में गांजे की खेती करते थे। इस मामले में जावेद जहांगीर शेख और अरशद खतरी नामक आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

दरअसल एनसीबी ने ड्रग्स केस में एक आरोपी को गिरफ्तार किया था, जिससे पूछताछ में पता चला कि डोंबिवली इलाके में जावेद और अरशद एक फ्लैट में गांजा को उगाने का अवैध कारोबार कर रहे हैं। एनसीबी के अधिकारियों ने जब फ्लैट में छापेमारी की तो वह घर का नजारा देखकर हैरान हो गए। घर में गांजे की खेती का हर सामान उन्हें मिला और एक किलो गांजा भी जब्त किया गया। जांच करने पर पता चला कि यह फ्लैट रेहान खान के नाम पर पंजीकृत था, जो सऊदी अरब में रहता है और खेती की लागत का पूरा खर्च वही उठाता था। अरशद गांजे को उगाने का तरीका जानता था और जावेद गांजा को सप्लाई करने का काम करता था।

डार्क वेब के जरिए मंगाता था बीज

गांजा उगाने के लिए बीज मंगाने के लिए ये दोनों डार्क वेब का इस्तेमाल करते थे, ताकि जांच एजेंसियों की नजरों से बच सकें। गांजे का बीज ये लोग नीदरलैंड से मंगाते थे।

इसके बीज की एक ग्राम की कीमत अमूमन २,५०० रुपए होती है। डार्क वेब में ये लोग खरीद-बिक्री के लिए क्रिप्टो करंसी जैसे बिटकॉइन का इस्तेमाल करते थे। ये लोग हैड्रोपोनिक तरीके से गांजा उगाने का काम करते थे, जिसमें मिट्टी की जरूरत नहीं पड़ती है। इस प्रकार के गांजे की डिमांड हाईप्रोफाइल लोग करते हैं और पार्टियों में भी इनकी खेप पहुंचाई जाती थी।

500 का पंगा! नशेडियों ने किया नशेडी को खून

वर्सोवा जेट्टी के पास हुई 30 वर्षीय युवक के हत्या की गुत्थी सुलझ गई है। वर्सोवा पुलिस ने बोट चलानेवाले दो लोगों को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है। 500 सौ रुपए छीने जाने के कारण उन्होंने यह कत्ल किया था। बता दें कि अंधेरी-पश्चिम के वर्सोवा गांव के गोमा गली स्थित जेट्टी के पास कल सुबह 11 बजे एक 30 वर्षीय युवक की लाश देखी गई। मछुआरों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची वर्सोवा पुलिस ने पंचनामा करके शव को पोस्टमार्टम के लिए कूपर अस्पताल भेज दिया। मृतक की गर्दन, पेट और कमर पर धारदार शस्त्र से वार के निशान थे। उसके शरीर पर विक्रम निषाद नाम का टैटू बना था। इसके अलावा मृतक के बारे में कोई और जानकारी पुलिस के पास नहीं थी। लाश भी दुर्गम खाड़ी क्षेत्र में हुई थी इसलिए हत्यारों के बारे में जानकारी जुटाना मुश्किल काम था।

पुलिस की मेहनत रंग लाई

डीसीपी अभिषेक त्रिमुखे व वर्सोवा पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सिराज इनामदार के मार्गदर्शन तथा पीआई केदारी पवार के नेतृत्व में पीआई संग्राम सिंह पाटिल एवं एपीआई कदम की टीम ने मृतक की तस्वीर और विक्रम निषाद नाम के टैटू से मृतक के बारे जानकारी जुटानी शुरू की। पुलिस को इस प्रयास में पता चला कि विक्रम एक मजदूर था और वह फुटपाथ पर रहता था और वह गांजे के नशे का आदी था। थोड़ी और मेहनत के बाद पुलिस को ये भी पता चला कि विक्रम, घटना स्थल के पास नशापान करने आता था और उसी इलाके में बोट चलाने वाले दो और लोग भी उसके साथ प्राय: नशा करते थे।

विक्रम ने छीने थे हत्यारों से रुपए

पुलिस ने संदिग्ध मानकर दोनों बोट चालकों को हिरासत में लिया और उनसे पूछताछ की तो उन्होंने अपना गुनाह कबूल कर लिया। वारदात वाले दिन विक्रम ने आरोपियों में से एक बोट चालक से 500 रुपए छीन लिया था। वह बोट चालक जानता था कि विक्रम रात में जेट्टी के पास नशा करने आता है। इसलिए बोट चालक ने साथी बोट चालक की मदद से रात में एक बजे के करीब विक्रम को जेट्टी के पास पकड़ लिया।

वहां बोट चालकों से विक्रम की तकरार हो गई। उसी दौरान एक बोट चालक ने धारदार शस्त्र से विक्रम पर हमला कर दिया। नशे में धुत होने के कारण उनका प्रतिकार नहीं कर पाया।

वह बुरी तरह जख्मी अवस्था में रातभर वहीं पड़ा रहा। अधिक रक्त बहने से विक्रम की मौत हो गई थी।

पॉवरफुल होगी पुलिस.... बढ़ेगा इम्यूनिटी पॉवर

ठाणे पुलिस और उनके परिवार का टीकाकरण शुरू

ठाणे पुलिस में कार्यरत ४५ वर्ष से अधिक उम्रवाले पुलिस कर्मचारियों और उनके परिवारों का कोरोना टीकाकारण शुरू कर दिया गया है। पुलिस के टीकाकरण के लिए विशेष केंद्र की स्थापना की गई है। पुलिस अधिकारियों के टीकाकारण से पुलिस की इम्यूनिटी बढ़ेगी तथा वे और पॉवरफुल हो जाएंगे, ऐसे में उन्हें कोरोना से खतरा नहीं होगा।

बता दें कि राज्य सरकार के आदेश पर आम जनता के साथ ही ४५ वर्ष से अधिक पुलिस कर्मचारियों का कोरोना टीकाकरण किया जा रहा था। अब ठाणे पुलिस अधिकारियों के टीकाकरण के लिए ठाणे पुलिस आयुक्तालय के मुख्यालय के मैदान पर विशेष टीकाकरण केंद्र की स्थापना कर ४५ वर्ष से अधिक के पुलिसकर्मियों का टीकाकरण शुरू कर दिया गया है। ठाणे पुलिस आयुक्त विवेक फणसलकर ने बताया कि २४ घंटे तैनात रहनेवाले व ४५ वर्ष से अधिक उम्रवाले पुलिसकर्मियों का टीकाकरण शुरू कर दिया गया, जो पुलिस की कोरोना से रक्षा करेगा।

शहीद पुलिस के परिवारों का पहले टीकाकरण

कोरोना के कारण शहीद पुलिसकर्मियों के परिवारों का सबसे पहले टीकाकारण किया जा रहा है। परिवारों के टीकाकरण के बाद ४५ वर्ष से आधिक उम्रवाले पुलिसकर्मियों का टीकाकरण शुरू किया जाएगा।

सोने का पारखी हुआ ठगी का शिकार... लालच का पर्दा!

कहते हैं लालच बुरी बला है। लालच का पर्दा जब आंखों पर पड़ता है तो अच्छा पढ़ा-लिखा होशियार भी मतिभ्रम हो जाता है। वह सही-गलत की पहचान नहीं कर पाता है। जबलपुर के एक स्वर्ण व्यवसायी के साथ कुछ ऐसा ही हुआ। असली और नकली सोने की अच्छी परख रखनेवाला उक्त व्यवसायी सस्ता सोना पाने के चक्कर में धोखा खा गया। लेकिन उसे लाखों रुपए का चूना लगानेवाले ठग और 'बकरों' को फांसने के लालच में पुलिस के हत्थे चढ़ गए।

किसी को गड़ा हुआ धन या सोना मिलने के किस्से हममें से सभी लोगों ने कभी न कभी सुन या पढ़ चुके होंगे।

जून, २०२० में मध्य प्रदेश के उज्जैन और जुलाई, २०२१ में राजस्थान के सीकर जिले से ऐसी खबरें प्रकाश में आई थीं। लेकिन ऐसे ही गड़े हुए सोने को सस्ती कीमत में बेचने का झांसा देकर ठगी करना कुछ ठगों का पेशा बन गया है। ये ठग लाखों करोड़ों रुपए का सोना औने-पौने दाम पर बेचने का झांसा देते हैं, जिसके बाद लालच में खरीददार को और कुछ सोचने की सुध ही नहीं रहती है।

जबलपुर में एक व्यापारी को इसी तरह से लालच करना भारी पड़ गया। ठगों ने उसे एक ही झटके में १४ लाख ७० हजार रुपए की चपत लगा दी।

ऐसे बना ठगी का शिकार

जबलपुर के एक व्यापारी को ठगों ने खुदाई में गड़ा खजाना मिलने का झांसा दिया था। उन अनजान लोगों ने व्यापारी को करीब १ किलो ९०० ग्राम सोने के बिस्किट बेहद सस्ते में बेचने का झांसा दिया।

बेचनेवालों से सोने की सस्ती कीमत सुनकर पारखी की आंखें चौंधिया गईं। उसने एक-दो बिस्किट ूपरी तौर पर परखा, जो कि असली प्रतीत हो रहे थे।

पुलिस करेगी भंडाफोड़! फर्जी 'नॉन कोविड रिपोर्ट' बनानेवालों की खैर नहीं

मुंबई, ठाणे और पालघर जिलों में फर्जी 'नॉन कोविड रिपोर्ट' के साथ यात्रा करनेवाले यात्रियों पर अब पुलिस ने नकेल कसने के साथ ही फर्जी रिपोर्ट बनानेवालों के लिए सर्च ऑपेरशन शुरू करने का निर्णय ठाणे ट्रैफिक पुलिस ने लिया है। पुलिस के अनुसार अब 'नॉन कोविड रिपोर्ट' की जांच कर पता लगाया जाएगा कि वह असली है या फर्जी? इसकी जांच के लिए पुलिस ने विशेष टीम का गठन भी किया है। बता दें कि राज्य में एक जिले से दूसरे जिले में यात्रा करनेवाले यात्रियों के लिए नॉन कोविड रिपोर्ट का साथ रखना अनिवार्य किया गया है। हालांकि यात्रा में परेशानी न हो इसलिए कई लोग फर्जी 'नॉन कोविड रिपोर्ट' बनाकर अन्य जिलों में यात्रा करते पाए जा रहे हैं। ऐसे यात्रियों को यह फर्जी रिपोर्ट कौन बनाकर देता है? इसकी जांच ट्रैफिक पुलिस ने अब शुरू कर दी है। इसके लिए ट्रैफिक पुलिस ने चेकनाकों पर अपनी टीम को तैनात कर दिया है। फर्जी 'नॉन कोविड रिपोर्ट' के साथ पकड़े जानेवाले व्यक्तियों की सघन जांच की जाएगी, ऐसा भी ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों का कहना है। ठाणे ट्रैफिक पुलिस उपायुक्त बालासाहेब पाटील ने बताया कि फर्जी रिपोर्ट के साथ यात्रा करनेवालों के कारण भी कोरोना तेजी से बढ़ रहा है, इसी वजह से यह निर्णय लिया गया है।

बैंक के दर्जनों खातों से लाखों रुपए गायब...पुलिस ने किया अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज

डोंबिवली फड़के रोड स्थित आईडीबीआई बैंक से किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा तीन दर्जन से अधिक खाताधारकों के खातों से लाखों रुपए निकाल लिए जाने का मामला प्रकाश में आया है। घटना की खबर खाताधारकों में आग की तरह फैल गई, जिसके बाद खाताधारकों में हड़कंप मच गया। फिलहाल एक खाताधारक की शिकायत पर डोंबिवली पुलिस अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच कर रही है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार डोंबिवली-पूर्व फड़के रोड स्थित आईडीबीआई बैंक खातों पर साइबर अटैक से नागरिकों के खाते से लाखों रुपए निकाल लिए जाने से नागरिकों को बड़ा झटका लगा है। नए साल के पहले दिन आईडीबीआई बैंक में साइबर अटैक करते हुए किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा एक दो खाताधारक से नहीं बल्कि ३७ खातेदारों के सेविंग एकाउंट, पेंशन एकाउंट से ८ लाख ३४ हजार ५०० रुपए निकाल लिए गए। इस बारे में बैंक से शिकायत करने पर बैंक प्रबंधक ने कहा कि हमने वरिष्ठ अधिकारियों से शिकायत की है।

मुंबई में अहम हैं अगले 10 दिन, कोविड संक्रमितों की संख्या में आ सकती है गिरावट

मुंबई, मुंबई सहित राज्य में फरवरी के दूसरे सप्ताह से कोरोना की दूसरी लहर ने दस्तक दी है। इसके बाद से ही दिन-ब-दिन कोरोना वायरस से संक्रमित होने वालों की संख्या में वृद्धि हो रही है। हालात यह हैं कि रोजाना कोरोना के नए मामलों के नए रिकॉर्ड बन रहे हैं। बीएमसी के अतिरिक्त आयुक्त सुरेश काकानी ने कहा कि आगामी 10 दिन महत्वपूर्ण हैं। इन 10 दिनों में एहतियात और बरतनी है, जिससे यह मामले कम हो जाएं।

बता दें कि मुंबई में पिछले नौ दिनों के आंकड़ों पर नजर डालें, तो मुंबई का पॉजिटिविटी रेट घटता जा रहा है। पिछले रविवार से मामले 10 हजार के अंदर बने हुए हैं।

कोविड टास्क फोर्स के सदस्य डॉ. गौतम भंसाली की मानें तो यह राहत भरी खबर है। भंसाली ने बताया कि कड़ी पाबंदी के चलते मामले में कमी आई है।

10 दिन होंगे महत्वपूर्ण

बीएमसी के अतिरिक्त आयुक्त सुरेश काकानी ने कहा कि नए मामलों की संख्या की स्थिरता को देखकर लग रहा है कि कोरोना अपने पीक पर है और आगामी 10 दिन मुंबईकरों के लिए महत्वपूर्ण हैं।

इन 10 दिनों के बाद दूसरी लहर शांत होने का संकेत काकानी ने दिया है।

कम हो सकते हैं मामले

डेथ रिव्यु कमिटी के प्रमुख डॉ. अविनाश सुपे ने कहा कि मौजूदा आंकड़ों को देखकर यही लग रहा है कि कोरोना पीक पर है, लेकिन अगले दो सप्ताह लोगों के लिए महत्वपूर्ण हैं। नियमों का पालन करें तो आने वाले 10 से 15 दिनों में मामले कम हो सकते हैं।

एंटीबायोटिक्स से शिशुओं में बढ़ सकता है बीमारियों का खतरा, शोध में चला पता

रटगर्स यूनिवर्सिटी द्वारा किए नए शोध से पता चला है कि जिन शिशुओं को शुरुआती 2 वर्षों में एंटीबायोटिक्स दिया जाता है,

उनमें कई अन्य बीमारियों जैसे अस्थमा, सांस संबंधी एलर्जी, सीलिएक, एक्जिमा, मोटापा और एकाग्रता में कमी जैसे रोगों का खतरा बढ़ जाता है। साथ ही उनके इम्यून सिस्टम पर भी इसका बुरा असर पड़ता है। शोध के अनुसार हमारे शरीर में मौजूद माइक्रोबायोम की संरचना इस तरह होती है जो बचपन में इम्युनिटी, मेटाबोलिज्म और मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

गौरतलब है कि माइक्रोबायोम हमारे शरीर में मौजूद वो खरबों सूक्ष्मजीव होते हैं जो स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से लाभदायक होते हैं। 14,572 बच्चों का अध्ययन किया: मायो क्लीनिक और रटगर्स यूनिवर्सिटी द्वारा किया यह शोध जर्नल मायो क्लिनिक प्रोसीडिंग्स में छपा है। इस शोध में 2003 से 2011 के बीच जन्मे 14,572 बच्चों का अध्ययन किया है। जिनमें से करीब 70 फीसदी को जन्म के दो वर्षों के भीतर कम से कम एक एंटीबायोटिक दिया गया था। उनमें से ज्यादातर बच्चे मुख्य रूप से सांस या कान सम्बन्धी संक्रमण से ग्रस्त थे। इस शोध से जुड़े शोधकर्ता और रटगर्स के सेंटर फॉर एडवांटेड बायोटेक्नोलॉजी एंड मेडिसिन के निदेशक मार्टिन ब्लेसर ने बताया कि एंटीबायोटिक्स का ज्यादा उपयोग न चाहते हुए भी शरीर में एंटीबायोटिक रेसिस्टेन्स बैक्टीरिया के विकास का कारण बन जाता है। बचपन में बीमारियों के ग्रस्त होने पर जब एंटीबायोटिक्स का प्रयोग किया जाता है तो वो बच्चों के इम्यून सिस्टम और मानसिक विकास

सोनल झालावाड़िया

पर असर डालता है। एंटीबायोटिक्स का प्रयोग शरीर में मौजूद माइक्रोबायोम पर असर डालता है, जो आगे चलकर कई अन्य समस्याओं का कारण बन जाता है।

पैरेंट्स की टेंशन हुई दूर, बच्चों की सुरक्षा के लिए इंस्टाग्राम ला रहा नया फीचर

सोशल मीडिया प्लेटफार्म अब बच्चों की सुरक्षा के मद्देनजर अपने एप में नया फीचर जोड़ने जा रहा है। इसे विशेष तौर पर छोटे बच्चों को ध्यान में रखकर तैयार किया है। इसके तहत कम उम्र के बच्चे अपना इंस्टाग्राम अकाउंट नहीं बना पाएंगे। इसके साथ ही अनजान वयस्क उपयोगकर्ताओं के बच्चों से संपर्क पर भी लगाम लग सकेगी।

इन कम उम्र के इंस्टाग्राम उपयोगकर्ताओं का पता लगाने के लिए इंस्टाग्राम कृत्रिम बुद्धिमता Ü आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इस्तेमाल करेगी। इसकी मदद से कम उम्र के उपयोगकर्ताओं के साइनअप करते ही कंपनी को पता चल जाएगा।

कंपनी की ओर से जारी बयान में कहा गया कि सोशल मीडिया

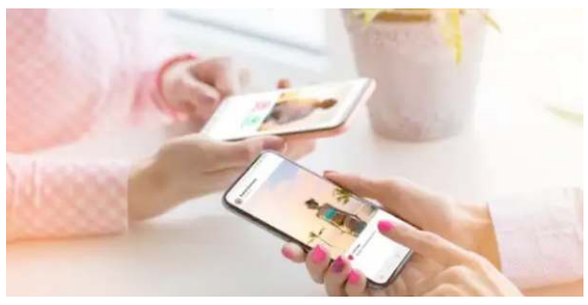

प्लेटफार्म पर अपना अकाउंट बनाते समय अपनी उम्र को लेकर अक्सर झूठ बोलते हैं, खासकर कम उम्र के बच्चे ऐसा ज्यादा करते हैं। इस पर लगाम लगाने के लिए हम एक कदम आगे बढ़ा रहे हैं और एक नया फीचर रोलआउट करने जा रहे हैं।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग तकनीक के इस्तेमाल से तैयार की जा रही इस नई तकनीक की मदद से इसे रोका जाएगा। इसके अलावा कंपनी के

संजय शर्मा

नये फीचर से अनजान वयस्कों को 18 साल से कम उम्र के उपयोगकर्ताओं को मैसेज भेजने से भी रोका जा सकेगा। नया फीचर वयस्कों को सजेस्ट यूजर्स में कम उम्र के बच्चों के अकाउंट दिखाने पर प्रतिबंध लगाने का काम करेगा।

शिशु के शरीर से बाल हटाने के ये हैं 3 घरेलू उपाय, नहीं होगा कोई साइड इफेक्ट

अक्सर आपने देखा होगा जन्म के समय कई नवजात बच्चों के शरीर पर बहुत अधिक बाल होते हैं। जो बाद में उनके माता-पिता के लिए टेंशन की वजह बन जाते हैं। बच्चे के शरीर पर कम या ज्यादा बाल उनके जीन पर निर्भर करते हैं। अगर बाकी अभिभावकों की तरह आप अपने नवजात के शरीर पर बाल देखकर चिंतित हैं, तो टेंशन छोड़ अपनाएं ये घरेलू उपाय, जिनकी मदद से आप शिशु के अनचाहे बालों से जल्द ही मुक्ति पा सकते हैं।

आटा और बेसन-

शिशु के शरीर से बाल हटाने के लिए आटे और बेसन को एक साथ गूथ लें। अब इस आटे को बच्चे के शरीर पर हल्के हाथों से मलें। ऐसा करने से बालों की जड़ मुलायम होगी और बाल अपने आप निकल जाएंगे।

बेबी ऑयल से मसाज-

रोजाना दिन में 2 बार सुबह और शाम बच्चे की मालिश हल्के हाथों से बेबी ऑयल से करें। ऐसा करने से बच्चे के शरीर के बाल कम होते हैं।

उबटन-

चंदन पाउडर, दूध और हल्दी पाउडर का पेस्ट बनाएं। इस पेस्ट को अपने बच्चे के शरीर पर उस जगह पर लगाएं जहां बाल दिखाई दे रहे हैं। बाल हटाने के लिये पेस्ट को शरीर पर धीरे-धीरे लगाएं। इसे बच्चे को नहलाने से कुछ घंटे पहले लगाएं। ऐसा कुछ हफ्तों तक करें।

जैतून तेल से करें मालिश -

बच्चे की मालिश जैतून के तेल से करने के बाद उसके शरीर पर लाल मसूर की दाल और दूध से बने पेस्ट को लगा कर धीरे-धीरे उन हिस्सों पर मालिश करें जहां पर बाल दिखाई दे रहे हैं। कुछ ही दिनों में आपको महत्वपूर्ण अंतर देखने को मिलेगा।

दिमागी सेहत के लिए बुरी नहीं सोशल मीडिया की लत, अकेलेपन और डिप्रेशन से मिलता है छुटकारा, रिसर्च में दावा

क्या आपका बच्चा फेसबुक, व्हॉट्सएप, इंस्टाग्राम या स्नैपचेट का इस्तेमाल किए बिना नहीं रह पाता? अगर हां तो ज्यादा परेशान मत होइए।

ब्रिटेन में 74 हजार किशोरों पर हुए एक अध्ययन में सोशल मीडिया को मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य के लिहाज से उतना भी घातक नहीं पाया गया है।

रॉयल कॉलेज ऑफ साइकैट्रिस्ट के शोधकर्ताओं के मुताबिक फेसबुक, व्हॉट्सएप, इंस्टाग्राम या स्नैपचैट जैसी साइटें अकेलेपन और डिप्रेशन का भाव नहीं पैदा करतीं। हां, बच्चा अपनी छवि, रंग-रूप और रहन-सहन को लेकर थोड़ा सजग जरूर हो सकता है, लेकिन अगर मां-बाप नियमित रूप से बात करें तो उसमें हीन भावना पैदा होने की गुंजाइश घट जाती है।

कई किशोरों में तो सोशल मीडिया तनाव, बेचैनी और आक्रामकता की शिकायत को घटाने में कारगर भी मिला है।

उन्हें दोस्तों के संपर्क में रहने का मौका मिलना इसकी मुख्य वजह है।

हाइट बढ़ाने में मदद करते हैं ये फूड्स, बढ़ते बच्चों की डाइट में जरूर करें शामिल

हम सभी जानते हैं कि हाइट बढ़ने एक निश्चित उम्र तक बढ़ती है। वहीं, आनुवांशिक कारणों के साथ कई ऐसी बातें हैं जिससे किसी व्यक्ति की लंबाई कितनी बढ़ेगी, इसका पता चलता है। कई पहलुओं के साथ डाइट भी एक खास वजह है जिससे किसी बच्चे की लंबाई प्रभावित होती है। आज हम आपको ऐसी चीजें बता रहे जिन्हें खाने से लंबाई बढ़ती है।

बैरीज

ब्लूबैरी, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी या रास्पबैरी भी कई प्रकार के न्यूट्रिशन से लैस होती हैं। इसमें मौजूद विटामिन-सी कोशिकाओं को बेहतर करता है और टिशू रिपेयर करने का काम करता है। विटामिन-सी कॉलेजन के सिंथेसिस को भी बढ़ाता है, एक ऐसा प्रोटीन जिसकी मात्रा आपके शरीर में सबसे ज्यादा होती है।

पत्तेदार सब्जियां

पालक, केल, अरुगुला, बंदगोभी जैसी पत्तेदार सब्जियों में भी कई तरह के पोषक तत्व होते हैं। इन सब्जियों में विटामिन-सी, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम

और पोटैशियम के अलावा विटामिन-के भी पाया जाता है जो हड्डियों के घनत्व को बढ़ाकर लंबाई बढ़ाने का काम करता है।

अंडा

अंडा न्यूट्रिशन का पावरहाउस है। इसमें प्रोटीन की भरपूर मात्रा पाई जाती है। इसमें हड्डियों की सेहत के लिए जरूरी कई तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं। 874 बच्चों पर हुए एक अध्ययन में पाया गया है कि नियमित रूप से अंडा खाने वाले बच्चों की हाइट बढ़ती है। अंडे के पीले भाग (यॉक) में मौजूद हेल्दी फैट भी शरीर को फायदा दे सकता है।

बादाम

बादाम में मौजूद कई प्रकार के विटामिन और मिनरल भी लंबाई के लिए बेहद जरूरी हैं। इसमें हेल्दी फैट के अलावा, फाइबर, मैग्नीज और मैग्नीशियम भी पाया जाता है। इसके अलावा, इसमें विटामिन-ई भी होता है, जो एंटीऑक्सिडेंट के रूप में दोगुना हो जाता है। एक स्टडी के मुताबिक, बादाम हमारी हड्डियों के लिए भी फायदेमंद चीज है।

साल्मन फिश

ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर साल्मन फिश भी सेहत के लिए बड़ी फायदेमंद है। ओमेगा-3 फैटी एसिड दिल की सेहत को फायदा पहुंचाने वाला एक फैट है, जो शरीर की ग्रोथ और डेवलपमेंट के लिए भी अच्छा माना जाता है। कुछ शोधकर्ताओं का कहना है कि ओमेगा फैटी-3 एसिड हड्डियों की ग्रोथ को भी बढ़ावा दे सकता है।

अब माता-पिता अपने बच्चों पर कर सकेंगे नियंत्रण, यू-ट्यूब ने किया नए फीचर का ऐलान

गूगल द्वारा संचालित वीडियो-स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म यू-ट्यूब ने एक नई सुविधा की घोषणा की है जो माता-पिता को यह नियंत्रित करने में मदद करेगी कि उनके बच्चे प्लेटफॉर्म पर विभिन्न सामग्री सेटिंग्स को सक्षम करके प्लेटफॉर्म पर क्या देखते हैं।

नई सुविधा माता-पिता को यूट्यूब से एक्सप्लोर, एक्सप्लोर मोर और अधिकांश का चयन करने की क्षमता देगी। जेम्स बेसर, प्रोडक्ट मैनेजमेंट, किड्स एंड फैमिली, यूट्यूब के निदेशक ने बुधवार को एक ब्लॉग पोस्ट में कहा कि पिछले साल हमने बाल सुरक्षा, बाल विकास और संबंधित क्षेत्रों में दुनिया भर में माता-पिता और विशेषज्ञों के साथ काम किया है।

कंपनी ने कहा कि आने वाले महीनों में, हम माता-पिता के लिए बीटा में एक नया अनुभव

शुरू करेंगे, ताकि वे अपने बच्चों को एक पर्यवेक्षित गूगल खाते के माध्यम से यूट्यूब तक पहुंच सकें। एक्सप्लोर में वीडियो की एक विस्तृत श्रृंखला होगी, जो आमतौर पर दर्शकों के लिए उपयुक्त होती है, जो नौ वर्ष से अधिक पुराने होते हैं, जिनमें व्लॉग, ट्यूटोरियल, गेमिंग वीडियो, संगीत क्लिप, समाचार, शैक्षिक सामग्री और बहुत कुछ शामिल हैं।

एक्सप्लोर मोर में वीडियो का एक बड़ा सेट भी शामिल होगा और एक्सप्लोर के समान श्रेणियों में लाइव स्ट्रीम भी होगा।

कंपनी ने कहा, यह पर्यवेक्षित अनुभव सामग्री सेटिंग्स और सीमित सुविधाओं के साथ आएगा। हम सहमति की उम्र से कम उम्र के बच्चों के परिवारों के लिए एक शुरुआती बीटा के साथ परीक्षण और प्रतिक्रिया प्रदान करना शुरू करेंगे।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष: आपके लिए सप्ताह की शुरुआत मुश्किल भरे हालातों से हो सकती है। परिवार में किसी सदस्य को बीमारी परेशान करेगी जिसके कारण भागदौड़ रहेगी। मानसिक रूप से बहुत परेशान रहेंगे। पैसों की तंगी महसूस होगी। सप्ताह के अंतिम दो दिन में थोड़ी राहत मिलेगी। संकटों का हल मिलेगा। आर्थिक संकटों में कमी आएगी।

वृषभ : आर्थिक रूप से इस सप्ताह थोड़ी राहत में रहेंगे। परेशानियां पूरी तरह समाप्त तो नहीं होंगी लेकिन फिर भी काफी कुछ राहत रहेगी। कार्यों में तरक्की का समय है लेकिन आपको आलस्य का त्याग करना होगी तभी कुछ हो सकेगा। बिजनेस में उतार-चढ़ाव हैं लेकिन आप अपना काम करते रहें। स्वास्थ्य की दृष्टि से सप्ताह उत्तम है।

मिथुन : सप्ताह शुभ है। सोचे कार्य आसानी से हो जाएंगे। कुछ ऐसे कार्य भी संपन्न होंगे जिन्हें पूरे करने के लिए आप लंबे समय से प्रयासरत हैं। नौकरी में बदलाव करना चाहते हैं तो अवश्य करें। जिनके पास जॉब नहीं है उन्हें मिल जाएगा। पारिवारिक व्यापार को आगे बढ़ाने का प्रयास करें लाभ होगा। पैतृक संपत्ति प्राप्त होने के योग हैं।

कर्क : मानसिक उतार-चढ़ाव थम जाएंगे। बहुत दिनों से किसी बात को लेकर परेशान हैं तो चिंता न करें, इस सप्ताह सब ठीक होने वाला है। कार्यों को गति मिलेगी और आप एक सुखद जीवन की ओर अग्रसर होंगे। आर्थिक कमी कुछ हद तक दूर होगी। व्यापार विस्तार का समय है। नई सोच के साथ काम को गति दें लाभ होगा।

सिंह : पारिवारिक सुख-शांति रहेगी। घर-परिवार के बुजुर्गों से चल रहा मनमुटाव दूर होगा। संपत्ति को लेकर भाई-बहनों से बना हुआ विवाद निर्णायक मोड़ पर आएगा। कोर्ट-कचहरी के अन्य मामले सुलझेंगे। प्रॉपर्टी खरीदने के योग बन रहे हैं। नौकरीपेशा को तरक्की मिलेगी। अधिकारियों से सराहना मिलेगी। साझेदारी के बिजनेस में नुकसान हो सकता है।

कन्या : मानसिक रूप से चल रही परेशानियों का हल आपको आत्मविश्वास और संयम से तलाशना होगा। समय अनुकूल है लेकिन अति दंभ नुकसान पहुंचा सकता है। परिवार के साथ चलें लाभ में रहेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी लेकिन ध्यान रखें कहीं बड़ा निवेश करने से इस सप्ताह बचें। नौकरी में बदलाव के संकेत हैं।

तुला : यह सप्ताह बहुत सतर्क होकर चलने वाला है। बड़ा खर्च आएगा, स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। ग्रहों की चाल बता रही है किआपको भागदौड़ बहुत रहेगी। नौकरीपेशा लोगों को कार्यस्थल पर तनाव होगा। नौकरी छोड़नी पड़ सकती है। बिजनेस में भी मनमुताबिक लाभ होने की स्थिति नहीं है।

वृश्चिक : मित्रों, स्वजनों के साथ विवाद संभव है। अपनी क्रोध और बिना सोचे-समझे कुछ भी बोल देने की आदत को काबू में रखना होगा। जीवनसाथी के साथ भी आपकी नहीं बनेगी। प्रेम संबंध टूट सकते हैं। नौकरी में दौड़धूप अधिक करनी होगी। व्यापारियों को लाभ-हानि दोनों बनी रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु : इस सप्ताह आत्मविश्वास से भरे रहेंगे। इसलिए कार्य भी ठीक तरीके से हो जाएंगे। आपके धैर्य और संयम का शुभ परिणाम मिलने वाला है। आध्यात्मिक गतिविधियों में शामिल होने का अवसर आएगा। परिवार में कोई मांगलिक प्रसंग होगा। सप्ताह के मध्य में अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बुजुर्गो के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना होगा।

मकर : जीवन में, नौकरी में, बिजनेस में, रिश्तों में चल रहा उतार-चढ़ाव काफी हद तक थम जाएगा। आपके बातों को सराहा जाएगा और निर्णय पर दूसरे अमल करेंगे लेकिन आपको ध्यान रखना है किअपनी छवि को किसी भी तरह बिगड़ने से बचाना होगा। शारीरिक और मानसिक रूप से सशक्त महसूस करेंगे।

कुंभ : परेशानियों का अंत होने वाला है। इस राशि में शुभ ग्रह बृहस्पति का प्रवेश इस सप्ताह होने वाला है। आपकी सात्विकता, आध्यात्मिकता में वृद्धि होगी। मानसिक रूप से मजबूती आएगी। निर्णय क्षमता बेहतर होगी। अपने जीवन को तरक्की की राह पर आगे बढ़ाने के लिए आपके प्रयासों को गति और सफलता मिलेगी।

मीन : कार्य गति पकड़ेंगे लेकिन अति आत्मविश्वास किसी भी काम में ठीक नहीं। मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूती आएगी। आर्थिक मजबूती आएगी। इस सप्ताह भौतिक सुख-सुविधाओं पर खर्च करेंगे। परिवार के साथ सुखद समय बिताएंगे। नौकरीपेशा और व्यापारियों को लाभ के अवसर आएंगे।

सोनू ने अपने दोस्त मोनू से पूछा - यार मेरी डी.पी. बहुत पुरानी हो गई है, बदल लूं क्या?

सोनू की सीधी सादी पत्नी ने मोनू से पूछा -ये डी.पी. क्या होती है?

सोनू बोला - डी.पी. यानी धर्म पत्नी, कह कर भाग गया

पप्पू - तुम्हारा नाम क्या है?

लड़की - तमन्ना...

पप्पू - तुम्हारे पापा का नाम सरफरोशी है क्या?

लड़की - क्यों?

पप्पू - क्योंकि सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है

पप्पू - अगर तुमने ज्यादा परेशान किया, तो मैं साधु बन जाऊंगा

पत्नी - नॉर्मल साधु या नागा साधु?

पप्पू - क्यों?

पत्नी - अगर नॉर्मल साधु बनना है तो मैं आपकी पैकिंग करूं, और अगर नागा साधु बनना है, तो फटाफट कपड़े उतारो और निकल लो

दिल्ली में अब कंप्लीट लॉकडाउन ही विकल्प? कोरोना कहर के बीच अरविंद केजरीवाल की अहम बैठक आज

दिल्ली में लगातार नए रिकॉर्ड बना रहे कोरोना ने जनता से लेकर सरकार तक सभी चिंता बढ़ा दी है। संक्रमण को काबू करने के लिए अब कम्पलीट लॉकडाउन ही एकमात्र विकल्प बचता दिख रहा है। इसी बीच हालात पर चर्चा करने को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने राजधानी में कोविड-19 की स्थिति की समीक्षा के लिए शनिवार को एक अहम बैठक बुलाई है। कोविड-19 प्रबंधन के लिए नोडल मंत्री और उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया तथा स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन भी इस बैठक में शामिल होंगे। संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए राजधानी में वीकेंड कर्फ्यू लगाया गया है, उन्होंने सभी लोगों से कर्फ्यू का पालन करने की अपील की है।

मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से ट्वीट कर कहा गया, "दिल्ली में प्रतिदिन के हिसाब से कोरोना की वर्तमान स्थिति पर निगरानी रखने के लिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आज दोपहर एक बजे नोडल मंत्री, स्वास्थ्य मंत्री और अन्य अधिकारियों संग कोविड प्रबंधन पर समीक्षा बैठक करेंगे।"

ऑक्सीजन सुविधा के साथ और अधिक कोविड-19 केंद्र बनाएं

केजरीवाल ने शुक्रवार को अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था कि दिल्ली कोरोना ऐप पर दिखाई गई बेड्स की संख्या अस्पतालों में वास्तव में उपलब्ध हो तथा इस तरह के बेड्स की संख्या बढ़ाई जाए। उन्होंने कह कि और अधिक कोविड देखभाल केंद्रों का निर्माण किया जाना चाहिए ताकि ऑक्सीजन की सुविधा के साथ बेड्स की संख्या बढ़ाई जा सके।

राजधानी में कोविड-19 की स्थिति की समीक्षा करने के लिए आयोजित बैठक में उन्होंने ये निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली में शुक्रवार को कोविड-19 के 19,486 नए मामले सामने आए जो अभी तक एक दिन में आए सर्वाधिक मामले हैं और संक्रमण से 141 लोगों की मौत हो गई, जो एक दिन में सबसे अधिक मृतकों की संख्या है।

दिल्ली सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि और अधिक संख्या में कोविड देखभाल केंद्र बनाएं और दिल्ली में ऑक्सीजन सुविधा के साथ बेड्स की संख्या भी बढ़ाई जाए। अधिकारियों से कहा गया कि सुनिश्चित करें कि दिल्ली कोरोना ऐप पर दिखाई गई बेड्स की संख्या अस्पतालों में वास्तव में उपलब्ध हों। उन्होंने कहा था कि यह चर्चा की गई कि अस्पतालों में कई हेल्पलाइन नंबर होने चाहिए और हर हेल्पलाइन नंबर पर नोडल अधिकारी मौजूद हो ताकि कोई भी जरूरी कॉल नहीं छूटे या खारिज न की जाए। अधिकारी ने कहा कि स्वास्थ्य टीम को होम आइसोलेशन में रह रहे हर मरीज तक पहुंचना चाहिए और उसे ऑक्सीमीटर मुहैया कराना चाहिए। उन्होंने कहा कि होम आइसोलेशन में लोगों को हर सहयोग मिलना चाहिए।

बैठक में उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन क साथ ही अतिरिक्त मुख्य सचिव और स्वास्थ्य सचिव भी बैठक में मौजूद रहे।

केजरीवाल ने राजधानी में कोरोना वायरस संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए गुरुवार को वीकेंड कर्फ्यू लगाने समेत कई पाबंदियों की घोषणा की थी।

अब मुंबई में लगकर रहेगा कंप्लीट लॉकडाउन? कोरोना कहर को देख BMC की मेयर दिया यह सुझाव

महाराष्ट्र की नाइट कर्फ्यू, वीकेंड लॉकडाउन और अब मिनी लॉकडाउन के बावजूद कोरोना संक्रमण की रफ्तार कम होने का नाम नहीं ले रही है। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई की हालत सबसे ज्यादा खराब है, जहां एक दिन में शुक्रवार को करीब नौ हजार मामले आने से हड़कंप मच गया। अब मुंबई में बढ़ते कोरोना केसों के बीच कंप्लीट लॉकडाउन की आहट सुनाई दे रही है। खुद बीएमसी की मेयर किशोर पेडनेकर ने भीमाना है कि मौजूदा हालातों के मद्देनजर मुंबई में लॉकडाउन लगाना ही एकमात्र विकल्प बचा है।

समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, बीएमसी की मेयर किशोर पेडनेकर ने कहा कि मुंबई में करीब 95% लोग कोरोना प्रतिबंधों का पालन कर रहे हैं। सिर्फ 5% लोग ही हैं, जो प्रतिबंधों का पालन नहीं कर रहे हैं, वे दूसरों को परेशान कर रहे हैं। मुझे लगता है कि कोरोना वायरस

की मौजूद स्थिति को देखते हुए मुंबई में पूर्ण लॉकडाउन लगा दी जानी चाहिए।

बता दें कि पिछले 24 घंटे में महाराष्ट्र में में कोरोना के रिकॉर्ड 63,729 केस सामने आए हैं तो करीब 398 मरीजों की मौत हो गई है।

ये आंकड़े महामारी की शुरुआत के बाद से सर्वाधिक हैं। शुक्रवार को 63,729 केस सामने आने के बाद राज्य में अब तक कुल 37,03,584 लोग संक्रमित हो चुके हैं।

वहीं, 398 लोगों की मौत के बाद कोरोना से मरने वालों की संख्या बढ़कर 59,551 हो गई है। इस दौरान 45,335 लोगों को डिस्चार्ज किया गया है। अब तक कुल 30,04,391 लोग वायरस से जंग जीत चुके हैं तो अभी 6,38,034 मरीजों का इलाज चल रहा है।

हालांकि, मुंबई में शुक्रवार को कोरोना केसों में मामूली गिरावट दिखी है। देश की आर्थिक राजधानी में पिछले 24 घंटे में 8839 लोग संक्रमित पाए गए तो 53 लोगों की मौत हुई है। मुंबई में अब तक कुल 5,61,998 लोग इस वायरस की चपेट में आ चुके हैं तो कुल 12,242 लोगों की जान जा चुकी है। यहां अब तक 4,63,344 लोग संक्रमण उस उबर चुके हैं तो 85,226 लोगों का इलाज चल रहा है।

अस्पतालों में दवाएं और उपकरण की न हो कमी, सीएम योगी ने लिया यह फैसला

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोरोना महामारी की आपात परिस्थितियों को देखते हुए बड़ा फैसला किया है। सरकारी अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों और चिकित्सा संस्थानों में दवाइयों और उपकरणों की किल्लत न हो, इसके लिए तीन महीने तक बिना टेंडर के सरकारी अस्पताल, मेडिकल कॉलेज और चिकित्सा संस्थान दवाइयों और उपकरणों की खरीद कर सकेंगे। ऐसे ही सरकारी अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों और चिकित्सा संस्थानों में सेवाओं के लिए भी छूट दी गई है। अब स्थानीय स्तर पर सेवाओं या मैनपावर के लिए टेंडर निकालने की जरूरत नहीं है। सीएम योगी के निर्देश पर प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा आलोक कुमार ने आदेश जारी कर दिए हैं।

चूंकि वैश्विक महामारी की आपात परिस्थितियों में दवाइयों, उपकरणों और तात्कालिक सेवाओं के लिए टेंडर प्रक्रिया अपनाने में समय लग सकता है। इसलिए इन वस्तुओं की खरीदारी या सेवाओं के लिए 12 अप्रैल से 11 जुलाई तक बिना टेंडर के खरीदारी की छूट दी गई है। प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा आलोक कुमार ने बताया कि खरीद की जाने वाली सामग्री की मात्रा, मानकों का अनुपालन, गुणवत्ता और एक्सपायरी डेट के सत्यापन का उत्तरदायित्व चिकित्सा विश्वविद्यालयों के कुलपति संस्थान के निदेशक और मेडिकल कॉलेजों के

प्रधानाचार्यों को सौंपा गया है।

आपात खरीदारी को प्रमाणित करेंगी सात संस्थाएं

आपात स्थिति में खरीद की जाने वाली वस्तुओं की आकस्मिकता और आवश्यकता का प्रमाणीकरण सात संस्थाओं की ओर से किया जाएगा। इसमें केजीएमयू लखनऊ, एसजीपीजीआई, डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, सुपर स्पेशियलिटी कैंसर संस्थान एवं चिकित्सालय लखनऊ, सुपर स्पेशियलिटी बाल चिकित्साल और स्नातकोत्तर शिक्षण संस्थान नोएडा और राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान ग्रेटर नोएडा के संबंधित कुलपति या निदेशक करेंगे। इनके अलावा सभी राजकीय मेडिकल कॉलेजों, चिकित्सा महाविद्यालयों में यह प्रमाणीकरण संबंधित प्रधानाचार्य या जिले के डीएम करेंगे।

कोरोना कहर के बीच कानपुर में बचा बस 24 घंटे का ऑक्सीजन बैकअप, गहरा सकता है संकट

कोरोना के लगातार बढ़ रहे ग्राफ के चलते कानपुर में ऑक्सीजन का संकट खड़ा हो गया है। अस्पतालों में गंभीर मरीजों के भर्ती होने से मांग में भारी बढ़ोतरी हो गई है। इसकी उपलब्धता अब सिर्फ 24 घंटे की रह गई है। अभी तक बैकअप जरूरत के हिसाब से तीन दिन का रहता था। महामारी के चरम पर होने की वजह से स्वास्थ्य महकमा इसे लेकर हलकान है। अब तक 36 टन ऑक्सीजन विभिन्न कंपनियों की ओर से सप्लाई की गई है। ऐसे में ड्रग विभाग भी अलर्ट हो गया है। रोजाना सुबह-शाम अस्पतालों से डिमांड और सप्लाई की रिपोर्ट लेकर शासन को भेजी जा रही है। ड्रग इंस्पेक्टर संदेश मौर्या के मुताबिक स्थिति पर नजर रखे हैं। सरकारी के साथ प्राइवेट कोविड अस्पतालों को प्राथमिकता के आधार पर कंपनियों से सप्लाई चेन मेनटेन रखने को कहा है। कोविड अस्पतालों से बढ़ी डिमांड की आपूर्ति भी सुनिश्चित करने को कहा है।

उनके मुताबिक लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन प्लांट के चलते हैलट में आपूर्ति ठीक है। वहां पर्याप्त मात्रा में स्टॉक है मगर उसे मेनटेन रखने को कहा गया है। उधर, कुछ प्राइवेट अस्पतालों के पास खुद के ऑक्सीजन जनरेटर सिस्टम लगे हुए हैं। उससे उन्हें राहत है मगर वहां भी मॉनीटरिंग की जा रही है। हैलट के सीएमएस डॉ. शुभांशु कुमार शुक्ला का कहना है कि यहां फिलहाल ऑक्सीजन है। 82 छोटे सिलेंडर खाली हैं।

कांशीराम अस्पताल में सिलेंडर से सप्लाई

कांशीराम अस्पताल सबसे हाई रिस्क में है।

यहां 120 मरीज भर्ती हैं जिसमें 20 आईसीयू में हैं। यहां सिलेंडर से सप्लाई हो रही है। 50 से अधिक जंबो सिलेंडर लग रहे हैं। लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन प्लांट लगाने की कवायद शुरू की गई थी मगर ठंडे बस्ते में चली गई। सीएमएस डॉ. दिनेश सिंह सचान के मुताबिक डिमांड तो बढ़ी है मगर कमी नहीं है। अभी दो दिन का स्टॉक है।

मधुपुर उपचुनाव: बूथों पर लगी मतदाताओं की लम्बी कतारें, नक्सली प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम

मधुपुर उपचुनाव के लिए आज मतदान हो रहा है। वोटिंग को लेकर मतदाताओं में बड़ा उत्साह देखने को मिल रहा है। इस बीच कुछ मतदान केंद्रों से ईवीएम की गड़बड़ी की भी खबर है। ईवीएम खराब होने की वजह से करौं के बूथ नंबर 324 पर साढ़े सात बजे तक मतदान शुरू नहीं हो सका था।

संत जोसेफ स्कूल, मारगोमुण्डा सहित अलग-अलग बूथों पर सुबह से मतदाताओं की लम्बी कतारें देखने को मिल रही हैं। पूरे विधानसभा क्षेत्र में शनिवार को 487 मतदान केंद्रों पर वोट पड़ रहे हैं। शांतिपूर्ण मतदान को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। विधानसभा क्षेत्र के बाहर 10 किलोमीटर के दायरे में शनिवार को शाम छह बजे तक के लिए शराब की दुकानें बंद कर दी गई हैं। विधानसभा क्षेत्र के कुल 384 भवनों में 487 मतदान केंद्र बने हैं। इनमें अति नक्सल प्रभावित क्षेत्र के 14 भवनों में 15 मतदान केंद्र हैं। सभी नक्सल प्रभावित संवेदनशील और अति संवेदनशील मतदान केंद्रों के संबंधित भवनों में 2-8 का सशस्त्र

बल और चार लाठी पार्टी को तैनात किया गया है।

कोरोना गाइडलाइन का पालन बड़ी चुनौती

उपचुनाव के बीच सबसे बड़ी चुनौती कोरोना गाइड लाइन का पालन करना है। प्रशासन और चुनाव आयोग ने मतदाताओं से दो गज की शारीरिक दूरी का पालन करने के साथ-साथ मास्क पहनने की अपील की है लेकिन आज कई बूथों पर सोशल डिस्टेंसिंग से बेपरवाही साफ नज़र आ रही है।

रामगढ़ में कोरोना से बेकाबू हो रहे हालात, डॉक्टर की मां समेत चार की मौत

वैश्विक महामारी ने रामगढ़ में अब विकराल रूप लेना शुरू कर दिया है। कोरोना अब जिले में काबू से बाहर होता दिखाई दे रहा है। जैसे-जैसे संक्रमितों की संख्या जिले में बढ़ रही है वैसे-वैसे मौत के आंकड़ों में भी इजाफा हो रहा है। शुक्रवार को जिले में रिकार्ड चार मौतें कोरोना से हो चुकी है। जबकि एक व्यक्ति अभी गंभीर बताया गया है। शुक्रवार को जिनकी मौत हुई है उनमें दो पुरुष और दो महिला शामिल हैं। जिसमे सीसीएल में कार्यरत एक चिकित्सक की मां है। जबकि दूसरी महिला रामगढ़ की मिलोनी क्लब के पास की है। वहीं दो मृतक पुरुषों में एक अरगड्डा का है जबकि दूसरे मृतक का पता अभी बताया नहीं गया है।

दूसरी ओर जिले में शुक्रवार को जिला में कुल 126 व्यक्ति कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। जिसमे सबसे अधिक 64 पॉजिटिव रामगढ़ के, 2 गोला के, 19 पतरातू के और 41 मांडू प्रखंड के हैं। जिले में अब सरकारी आंकड़ों के अनुसार कुल पॉजिटिव मरीजों की सांख्य 846 हो गई है।

करंट से चाय दुकानदार की मौत से भड़के ग्रामीण, परिवार को मुआवजा देने की मांग को लेकर सड़क जाम

बिहार के समस्तीपुर में करंट लगने से चाय दुकानदार की सुबह मौत हो गई। इससे आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम कर आवागमन ठप कर दिया। घटना मुफस्सिल थाना के शंभूपट्टी बम्मा फैक्ट्री के पास की है। आक्रोशित ग्रामीण मृतक के परिजन को मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं।

मिली जानकारी के अनुसार तक अशोक साह मुफस्सिल थाने के चंदोपट्टी का निवासी था। वह बम्मा फैक्ट्री के पास चाय की दुकान चलाता था। शनिवार सुबह करीब पांच बजे वह दुकान खोलने आया था। लोगों ने बताया कि रात में बिजली का ग्यारह हजार वोल्ट का तार टूट कर गिर गया था। जिसकी जानकारी चाय दुकानदार अशोक को नहीं थी।

बिहार में कोरोना की भयावह स्थिति के चलते भाजपा, जदयू, लोजपा के बाद अब कांग्रेस ऑफिस भी बंद

बिहार में कोरोना के कहर के चलते संक्रमण से अपने नेता और पार्टी कार्यकर्ताओं को बचाने के लिए सभी राजनीतिक दल एक-एक कर बंद कर रहे पार्टी ऑफिस। कोरोना की भयावह स्थिति के चलते भाजपा, जदयू, लोजपा के बाद अब कांग्रेस ऑफिस भी बंद कर दिए गए हैं। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. मदन मोहन झा ने कांग्रेस के राज्य मुख्यालय सदाकत आश्रम सहित पूरे राज्य के जिला कार्यालयों को अनिश्चितकाल के लिए बन्द करने का आदेश दिया है।

उन्होंने कहा कि कोरोना की दूसरी लहर में सरकारी उदासीनता और प्रशासनिक विफलताओं के कारण स्थिति बेहद विकराल हो गयी है। प्रदेश में जब तक स्थिति सामान्य नहीं होगी तब तक कांग्रेस मुख्यालयों को बन्द करने का फैसला लिया गया है।

मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने कहा कि सदाकत आश्रम में केवल आवासीय कर्मचारियों के ही रहने की अनुमति रहेगी। कांग्रेस ने कोरोना संक्रमण की भयावहता को देखते हुए काले कृषि कानूनों के खिलाफ पांच अप्रैल को प्रस्तावित अपने धरने को पहले ही स्थगित कर दिया था। इसके अलावा राजनीतिक एवं सार्वजनिक कार्यक्रम भी रद्द हैं। पार्टी ने अपील की है कि लोग कोरोना के बढ़ते प्रकोप में अपने और परिवार की सुरक्षा का विशेष ख्याल रखें।

भाजपा, जदयू और लोजपा कार्यालय बंद

बढ़ते कोरोना संक्रमण को देखते हुए बिहार भाजपा ने अपना कार्यालय बंद कर दिया है। पार्टी का कार्यालय अगले सात दिनों तक बंद रहेगा। इस दौरान कोई गतिविधि नहीं होगी। भाजपा के मुख्यालय प्रभारी सुरेश रूंगटा ने बताया कि 22 अप्रैल तक प्रदेश कार्यालय को बंद कर दिया गया है। कोरोना को देखते हुए प्रदेश नेतृत्व ने यह निर्णय लिया है। अब 22 अप्रैल के बाद तय किया जाएगा कि कार्यालय को खोला जाए या नहीं।

चारा घोटाला मामले में राहत: लालू यादव को मिली जमानत, अब जेल से जल्द होंगे रिहा

देश के चर्चित मामलों से एक चारा घोटाला मामले में सजायाफ्ता लालू यादव को बड़ी राहत मिली है। रांची हाईकोर्ट ने शर्तों के साथ राजद सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री को जमानत दे दी है। यह मामला नौ अप्रैल को भी सुनवाई के लिए सूचीबद्ध था, लेकिन सीबीआई ने जवाब दाखिल करने के लिए अदालत से समय की मांग की गई थी। कोर्ट अब जेल से बाहर निकल जाएंगे। फिलहाल राजद सुप्रीमो का दिल्ली के एम्स में इलाज चल रहा है। लालू की जमानत याचिका पर फैसला सुनाते हुए रांची हाईकोर्ट ने आदेश दिया कि जमानत के लिए लालू को एक लाख रुपये का मुचलका देना होगा। जुर्माने में दस लाख रुपये जमा करना होगा। इसके अलावा उन्हें अपना पासपोर्ट जमा कराना होगा। बिना कोर्ट की अनुमति के विदेश नहीं जा सकेंगे। अपना पता और मोबाइल नंबर नहीं बदलना होगा।

बता दें कि दुमका कोषागार से अवैध निकासी के मामले में लालू प्रसाद ने जमानत के लिए आधी सजा पूरी करने का दावा करते हुए याचिका दायर की थी। इस मामले में सीबीआई की अदालत ने लालू प्रसाद को सात- सात साल की सजा दो अलग अलग धाराओं में सुनायी थी। पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद ने दावा किया था कि वह आधी सजा पूरी कर चुके हैं। वहीं सीबीआई का दावा था कि लालू प्रसाद की आधी सजा अभी पूरी नहीं हुई है।

SPORTS खेल जगत

रोहित शर्मा के सामने है डेविड वॉर्नर की चुनौती, ऐसी हो सकती है दोनों टीमों की प्लेइंग XI

डिफेंडिंग चैंपियन मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद की टीमें शनिवार को होने वाले आईपीएल मुकाबले में चेन्नई की मुश्किल पिच पर जूझेंगी। मुंबई ने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर से पहला मैच गंवाने के बाद अपने दूसरे मैच में शानदार वापसी करते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स को 10 रन से हराया था, जबकि हैदराबाद की टीम अपने पहले मुकाबले में कोलकाता के खिलाफ 10 रन से और बैंगलोर के खिलाफ मात्र छह रन से पराजित हो गई।

चेन्नई में अब तक खेले गए मैचों में जीतने वाली टीमों ने बड़ा स्कोर नहीं बनाया है लेकिन वे जीतने में सफल रही हैं। मुंबई ने टूर्नामेंट का उद्घाटन मुकाबला चेन्नई में बैंगलोर टीम से आखिरी गेंद पर दो विकेट से गंवाया था। लेकिन उसने चेन्नई में अपना दूसरा मुकाबला 10 रन से जीता था। मुंबई ने 152 रन बनाने के बावजूद कोलकाता को 142 रन पर रोक दिया था। हैदराबाद ने कोलकाता को चेन्नई में 187 रन पर रोका था लेकिन टीम फिर 177 रन ही बना पाई थी जबकि दूसरे मुकाबले में हैदराबाद ने बेंगलुरु को 149 रन पर रोका था, लेकिन छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए हैदराबाद की टीम 143 रन ही बना पाई।

IPL 2021:चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से एमएस धोनी का खास 'दोहरा शतक', बोले-इससे बूढ़ा महसूस करता हूं

महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी वाली चेन्नई सुपर किंग्स के लिए शुकवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबला काफी खास रहा। इस मैच में उतरते ही कप्तान धोनी ने सीएसके की तरफ से 200 मैच पूरे कर लिए। टीम ने भी मैच में एकतरफा अंदाज में जीत दर्ज करते हुए अपने कप्तान को खुश होने का मौका दे दिया। टीम की इस जीत के पीछे तेज गेंदबाज दीपक चाहर का अहम योगदान रहा, जिन्होंने अपने कोटे के 4 ओवरों में मात्र 13 रन देकर 4 अहम विकेट हासिल किए। इसमें एक मेडन ओवर भी शामिल रहा। मैच के बाद धोनी से 200 मैच खेलने की उपलब्धि पर सवाल पूछा गया, जिसपर उन्होंने मजेदार जवाब दिया है।

मैच खत्म होने के बाद चेन्नई के कप्तान धोनी ने पत्रकारों से बात की और बड़ी जीत पर खुशी जाहिर की। टीम को मिली इस एकतरफा जीत के बाद उनसे 200 आईपीएल मैच खेलने की उपलब्धि पर पूछा गया, तो धोनी ने कहा कि, 'यह चीजें मुझे बूढ़ा महसूस कराती हैं। 2008 में आईपीएल शुरू होने के बाद से यह सफर काफी लंबा रहा है।

जीत से चेन्नई सुपर किंग्स को जबरदस्त फायदा, पंजाब किंग्स सातवें नंबर पर फिसला

आईपीएल 2021 में शुक्रवार को पंजाब किंग्स और चेन्नई सुपर किंग्स(सीएसके) के बीच मुकाबला खेला गया। इस मैच में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी वाली सीएसके ने एकतरफा अंदाज में पंजाब को छह विकेट से हरा दिया।

केएल राहुल की कप्तानी में पंजाब की इस हार से टीम को भारी नुकसान हुआ है और वह आईपीएल 2021 प्वॉइंट टेबल में सातवें नंबर पर फिसल गया है। वहीं चेन्नई एक जीत से ही आठवें से सीधे दूसरे नंबर पर पहुंच गया है।

इसकी बड़ी वजह टीम का पंजाब के खिलाफ विशाल जीत दर्ज करना है।

इस प्वॉइंट टेबल में अन्य टीमों पर नजर दौड़ाई जाए तो चार प्वॉइंट्स के साथ विराट कोहली की कप्तानी वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर टॉप पर बना हुआ है, जबकि मुंबई इंडियंस 2 प्वॉइंट्स के साथ तीसरे नंबर पर मौजूद है। पिछले मैच में जीत के काफी करीब पहुंचने के बाद भी हारने वाली दिल्ली कैपिटल्स 2 प्वॉइंट्स के साथ इस लिस्ट में चौथे नंबर पर मौजूद है।

आईपीएल 2021 प्वॉइंट टेबल में डेविड वॉर्नर की कप्तानी वाली सनराइजर्स हैदराबाद एकमात्र ऐसी टीम है, जिसने दो मैच खेलने के बाद अभी तक एक मैच भी नहीं जीता है।

टीम इस समय प्वॉइंट टेबल में बिना प्वॉइंट हासिल किए सबसे नीचे चल रही है, साथ ही टीम का नेट रनरेट भी सबसे खराब है। टूर्नामेंट में शनिवार को पांच बार की आईपीएल चैम्पियन मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला होना है।

दीपक चाहर का चला जादू, चेन्नई सुपर किंग्स ने पंजाब किंग्स को एकतरफा मुकाबले में 6 विकेट से हराया

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2021 के आठवें मैच में चेन्नई सुपर किंग्स ने पंजाब किंग्स को 6 विकेट से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए पंजाब किंग्स का विस्फोटक बैटिंग क्रम सीएसके के गेंदबाजों के आगे ताश के पत्तों की तरह बिखर गया और टीम 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 106 रन ही बना सकी। टीम की तरफ से युवा बल्लेबाज शाहरुख खान ने सबसे अधिक 47 रन बनाए। जिसके जवाब में चेन्नई ने मोईन अली (47) और फाफ डुप्लेसी की 36 रनों की नाबाद पारी के दम पर 107 रनों के लक्ष्य को महज 15.3 ओवर में चार विकेट गंवाकर हासिल कर लिया।

107 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी चेन्नई की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम ने ऋतुराज गायकवाड का विकेट महज 24 रनों के स्कोर पर गंवा दिया। ऋतुराज ने लगातार दूसरे मैच में अपनी बल्लेबाजी से निराश किया और 16 गेंदों का सामना करने के बाद महज 5 रन बना सके।

IPL 2021: केन विलियमसन ने अपनी इंजरी पर दिया बड़ा अपडेट, बताया कब तक करेंगे मैदान पर वापसी

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2021 में कोहनी की चोट के चलते सनराइजर्स हैदराबाद की तरफ से पहले दो मिस करने वाले केन विलियमसन ने अपनी इंजरी पर बड़ा अपडेट दिया है। विलियमसन ने बताया है कि उनको उम्मीद है कि वह एक हफ्ते के अंदर फिट हो जाएंगे और मैदान पर वापसी करेंगे। हैदराबाद ने अबतक खेले दोनों ही मैचों में हार का सामना किया है। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ आखिरी समय में बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन के चलते हैदराबाद को 6 रनों से शिकस्त झेलनी पड़ी थी। सनराइजर्स के मिडिल ऑर्डर में अहम भूमिका निभाने वाले 30 साल के विलियमसन की बाईं कोहनी में चोट लगी थी जिसके कारण वह आईपीएल से पहले मार्च में बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज से बाहर हो गए थे। सनराइजर्स हैदराबाद द्वारा ट्विटर पर शेयर किए गए वीडियो में विलियसमन ने अपनी इंजरी पर अपडेट देते हुए कहा, 'आपको पता है कि मेरा ध्यान जल्द से जल्द दर्द मुक्त होने पर है और हम सही दिशा में जा रहे हैं। उम्मीद है कि एक हफ्ते के भीतर फिट और तैयार हो जाऊंगा।'

देश परदेश

आसनसोल में ममता पर बरसे पीएम मोदी, कहा- लाशों पर राजनीति करना दीदी की पुरानी आदत

पश्चिम बंगाल में पांचवे चरण का मतदान जारी है। सभी पार्टियां चुनाव प्रचार में जी-जान से लगी हुई हैं। जिस कड़ी में प्रधानमंत्री मोदी आने वाले चुनाव के लिए रैली कर रहे हैं। पीएम मोगी आज बंगाल के आसनसोल में रैली कर रहे हैं जहां पीएम मोदी ने ममता बनर्जी और उनकी सरकार पर जमकर हमला किया। पीएम मोदी ने कहा कि ममता बनर्जी लोगों की मौत पर भी राजनीति करती हैं ये उनकी पुरानी आदत है, पीएम मोदी ने कहा, "दीदी, आप वोट बैंक के लिए कितनी दूर जाएंगी? सच्चाई यह है कि दीदी ने उन मौतों के जरिए अपने राजनीतिक लाभ के बारे में सोचा। लाशों पर राजनीति करना दीदी की पुरानी आदत है"

उन्होंने ममता बनर्जी की सरकार पर विकास रोकने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, "बंगाल को विकास रोकने वाली नहीं, डबल इंजन की सरकार चाहिए। बंगाल की बीजेपी सरकार, आपका लाभ कराने वाली हर उस योजना को लागू करेगी, जिन्हें दीदी की सरकार ने रोका हुआ है।"

केंद्र सरकार की बैठकों में भाग न लेने पर पीएम मोदी ने ममता पर बन्रर्जी पर निशाना साधते हुए कहा, "कोरोना पर पिछली दो बैठकों में बाकी मुख्यमंत्री आए, लेकिन दीदी नहीं आईं।

भारतीय वायुसेना की बढ़ेगी ताकत, 21 अप्रैल को 6 और राफेल विमान आएंगे भारत, IAF चीफ दिखाएंगे हरी झंडी

भारतीय वायुसेना की ताकत में और इजाफा होना वाला है, क्योंकि इसी महीने फ्रांस से 6 और राफेल विमान आने वाले हैं। भारतीय वायु सेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल राकेश भदौरिया फ्रांस की यात्रा पर जा रहे हैं, जहां से वह 6 राफेल लड़ाकू विमानों को भारत रवाना करेंगे। फ्रांस यात्रा के दौरान राकेश भदौरिया 21 अप्रैल को दक्षिण-पश्चिमी फ्रांस के मरिग्नैक-बोर्डो एयरबेस से छह राफेल लड़ाकू विमानों को हरी झंडी दिखाकर भारत के लिए रवाना करेंगे। ये लड़ाकू जेट पश्चिम बंगाल के हासिमारा में दूसरे राफेल स्क्वाड्रन को सक्रिय करने के लिए मंच तैयार करेंगे। बता दें कि भारतीय वायुसेना प्रमुख 20 अप्रैल से फ्रांस का दौरा करने वाले हैं, और 23 अप्रैल तक वह फ्रांस में रहेंगे। छह राफेल विमान पहले 28 अप्रैल को भारत के लिए उड़ान भरने वाले थे, लेकिन एयर चीफ मार्शल भदौरिया के यात्रा के आयोजन के बाद इसे एक सप्ताह पहले रख लिया गया।

फ्रांस यात्रा के दौरान, एयर चीफ भदौरिया एक फ्रांसीसी राफेल स्क्वाड्रन का दौरा करेंगे, इसके अलावा वह अपने समकक्ष फिलिप लेविने से मुलाकात करेंगे और पेरिस में नव-स्थापित अंतरिक्ष कमान का दौरा भी करेंगे।

भारतीय वायुसेना के प्रमुख राकेश भदौरिया द्वारा हरी झंडी दिखाकर भेजे गए राफेल जेट विमानों के आगमन से भारतीय वायु सेना में राफेल जेट विमानों की संख्या बढ़ जाएगी।

CWC की बैठक में सोनिया की केंद्र से गुहार, बोलीं- टीकाकरण के लिए आयुसीमा घटाकर 25 साल करे सरकार

देश में जारी कोरोना कहर के बीच कांग्रेस की वर्किंग कमेटी की एक अहम बैठक हुई। कांग्रेस की शीर्ष नीति निर्धारक इकाई कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) ने कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में तेजी से वृद्धि के बीच शनिवार को मौजूदा हालात पर चर्चा की। इस बैठक में पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा से यह माना है कि कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई एक राष्ट्रीय चुनौती है, जिसे पार्टी की राजनीति से दूर रखा जाना चाहिए। उन्होंने युवाओं को भी वैक्सीन देने की वकालत करते हुए कहा कि कोविड-19 का टीका 25 साल तक के लोगों को लगाया जाए।

कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में सोनिया गांधी ने कहा, 'कोविड-19 की दूसरी लहर ने देश को बुरी तरह प्रभावित किया है, हमारे पास इससे निपटने की तैयारी के लिए एक साल का समय था, लेकिन हम बिना तैयारी के फिर इसकी चपेट में आ गए हैं।' उन्होंने आगे कहा कि कोविड-19 संकट संबंधी पूर्वानुमान, आकलन और प्रबंधन के संदर्भ में मोदी सरकार ने कोई तैयारी नहीं की।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, 'सरकार को टीकाकरण के लिए अपनी प्राथमिकता पर पुनर्विचार करना चाहिए और आयुसीमा को घटाकर 25 साल करना चाहिए। अस्थमा, मधुमेह, किडनी और लीवर संबंधी बीमारियों से पीड़ित सभी युवाओं को टीका लगाया जाना चाहिए।' उल्लेखनीय है कि टीकाकरण के लिए अभी न्यूतम आयुसीमा 45 साल निर्धारित है।

उन्होंने कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में यह भी कहा कि सरकार को कोरोना से निपटने के लिए जरूरी चिकित्सा उपकरणों और दवाओं को जीएसटी से मुक्त करना चाहिए तथा कोरोना वायरस संक्रमण के प्रसार पर अंकुश लगाने के लिए सख्त कदम उठाने पर गरीबों को प्रति माह छह हजार रुपये की मदद देनी चाहिए। सोनिया ने बड़ी संख्या में लोगों के कोरोना वायरस संक्रमण के चपेट में आने और रोजाना सैकड़ों लोगों की मौत होने पर दुख जताते हुए कहा कि इस संकट की घड़ी में अपना कर्तव्य निभा रहे स्वास्थ्यकर्मियों एवं दूसरे कर्मचारियों को कांग्रेस सलाम करती है।

PM मोदी की अपील का असर, जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर बोले- भारी संख्या में कुम्भ स्नान करने न आएं श्रद्धालु

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कोरोना वायरस से संक्रमण के तेजी से बढ़ते मामलों के मद्देनजर शनिवार को संत समाज से उत्तराखंड के हरिद्वार में चल रहे कुंभ को 'प्रतीकात्मक' रखने की अपील की ताकि इस महामारी के खिलाफ मजबूती से लड़ाई लड़ी जा सके। प्रधानमंत्री के इस अपील का असर हुआ है और जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि ने श्रद्धालुओं से भारी संख्या में कुम्भ स्नान के लिए नहीं आने की अपील की है। माना जा रहा है कि कुम्भ की समाप्ती की घोषणा समय से पहले ही हो सकती है। प्रधानमंत्री ने ट्वीट कर यह जानकारी दी कि उन्होंने जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि से इस सिलसिले में फोन पर बात की और साथ ही संतों का कुशल-क्षेम भी पूछा।

PM मोदी को ओडिशा के CM पटनायक की ने लिखी चिट्ठी, वैक्सीन को लेकर किए ये 4 अनुरोध

ओडिशा में कोरोना को बढ़ते मामलों को देखते हुए ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने आज प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर सरकारी लेवल के अलावा खुले बाजार में भी कोरोना टीके उपलब्ध कराने की बात कही है। इसके अलावा मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने ओडिशा के लिए 25 लाख कोरोना वैक्सीन मांगी है। बता दें कि अपने खत में मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी से 4 बड़े अनुरोध किए हैं-

ओडिशा के सीएम नवीन पटनायक के पीएम नरेंद्र मोदी को लिखे पत्र में भी लिखा गया है, 'हम लोगों को टीका लगवाने के लिए भारी प्रतिक्रिया मिल रही है। हालांकि, आंतरायिक आपूर्ति मांग को पूरा करने में एक चुनौती पैदा कर रही है।

जरूरतमंदों के 'मददगार' सोनू सूद को हुआ कोरोना, ट्वीट कर फैन्स को दी जानकारी

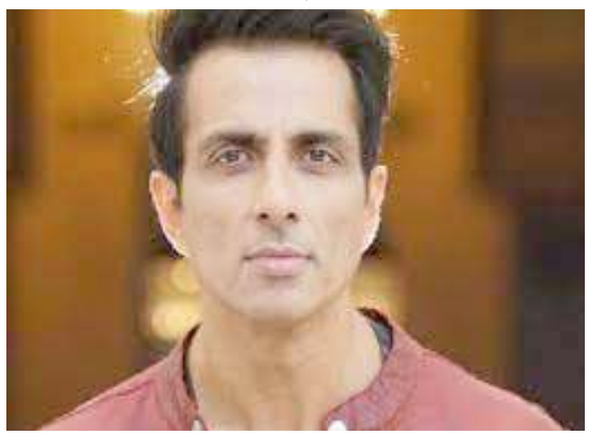

अभिनेता सोनू सूद कोरोना संक्रमित हो गए हैं। उन्होंने एक ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है। उनके कोरोना संक्रमित होने के बाद प्रशंसक उनके लिए दुआएं कर रहे हैं। सोनू सूद ने हाल ही में अमृतसर में कोविड 19 की पहली डोज ली थी।

सोशल मीडिया पर दी जानकारी

सोनू सूद ने सोशल मीडिया पर लिखा कि 'कोविड पॉजिटिव, मूड और स्प्रिट सुपर पॉजिटिव। सभी को हाय। आपकी जानकारी के लिए है कि आज सुबह मेरा कोविड 19 टेस्ट पॉजिटिव आया है। सुरक्षा के तमाम नियमों को देखते हुए मैंने पहले ही खुद को क्वारंटीन कर लिया है और ध्यान रख रहा हूं लेकिन चिंता मत करिए। इसने मुझे अपनी समस्याओं को हल करने के लिए पर्याप्त समय दिया है। याद रखिए मैं हमेशा आप के लिए हूं।'

सभी की मदद नहीं कर पाने का अफसोस

कोरोना के मामले जब कम हुए थे तब सोनू उन प्रवासी मजदूरों के काम के जुगाड़ में लग गए थे जो घर तो पहुंच गए लेकिन उनके पास काम नहीं था। पिछले एक साल से वो लगातार कोरोना की इस मुश्किल घड़ी में लोगों की मदद करते आ रहे हैं लेकिन अब जिस रफ्तार से संक्रमितों की संख्या में रिकॉर्डतोड़ बढ़ोत्तरी हो रही है उसके आगे वो भी बेबस नजर आए। सोनू सूद ने एक ट्वीट कर कहा कि उनके पास हजारों लोगों के कॉल आ रहे हैं लेकिन सभी की मदद नहीं कर पा रहे हैं। वो बहुत लाचार महसूस कर रहे हैं।

लोगों से की ये अपील

एक ट्वीट में सोनू सूद लिखते हैं कि 'मैं निश्चित हूं कि हम सब मिलकर अनेक लोगों की जिंदगियां बचा सकते हैं। यह समय किसी पर दोष मढ़ने का नहीं है बल्कि एक ऐसे जरूरतमंद के लिए आगे आने का वक्त है जिसे आपकी जरूरत है। कोशिश करिए उन्हें चिकित्सा संबंधी आवश्यकताएं पहुंचाई जा सकें।

चलिए मिलकर जिंदगियां बचाते हैं। हमेशा आपके लिए उपस्थित।

विक्की कौशल के बाद कैटरीना कैफ भी कोरोना निगेटिव, तस्वीर पोस्ट कर दी जानकारी

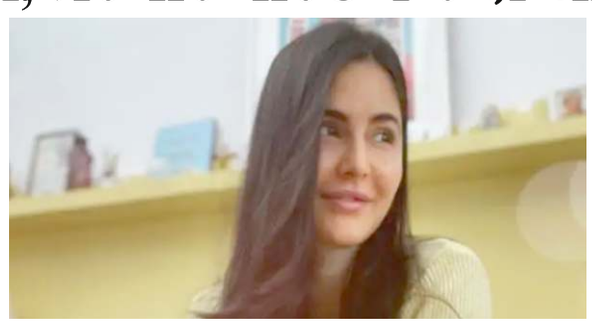

कैटरीना कैफ कोरोना से निगेटिव हो गई हैं। उन्होंने एक पोस्ट कर इसकी जानकारी दी है। कैटरीना ने अपनी एक तस्वीर साझा की है। येलो कलर की ड्रेस में कैटरीना अपने घर में बैठी हुई हैं। उनकी तस्वीर पर आज की तारीख 17.04.21 मेंशन है। इसके साथ कैटरीना ने कैप्शन में लिखा- 'निगेटिव।' उन्होंने बताया कि इस दौरान उन्हें ढेर सारा प्यार मिला।

कैटरीना कैफ ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर बताया था कि वो कोरोना से संक्रमित हो गई हैं। उन्होंने अपनी एक तस्वीर के साथ लिखा- 'वक्त और सब्र।' शायद इसके जरिए उनका संदेश साफ था कि कोरोना से ठीक होने में थोड़ा समय और सब्र की जरूरत है।

कैटरीना ने अपने इंस्टाग्राम पर जानकारी दी थी कि 'मेरा कोविड-19 टेस्ट पॉजिटिव आया है। मैंने खुद को तुरंत आइसोलेट कर लिया है और होम क्वारंटीन रहूंगी।

मैं अपने डॉक्टरों की सलाह पर सारे सेफ्टी प्रोटोकॉल्स का पालन कर रही हूं। जो भी मेरे संपर्क में आया है उनसे अपील है कि तुरंत अपना कोरोना टेस्ट करवा लें। प्यार और सहयोग के लिए आभारी हूं।

विक्की ने भी कोरोना को दी मात

विक्की कौशल ने अपनी एक मुस्कुराती हुई तस्वीर शेयर करते हुए लिखा-

'निगेटिव।' तो वहीं इंस्टा स्टोरी पर भी उन्होंने इस गुड न्यूज को साझा किया। विक्की कौशल ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर लिखा- 'आज टेस्ट रिपोर्ट निगेटिव आई। आप सभी की प्यारी शुभकामनाओं और संदेशों का धन्यवाद। मेरी प्रार्थनाएं और दुआएं उन सभी के लिए जो रिकवर कर रहे हैं।'

तमिल फिल्मों के मशहूर अभिनेता विवेक का निधन, रहमान सहित इन सितारों ने जताया शोक

तमिल फिल्मों के जाने माने अभिनेता विवेक का चेन्नई के एसआईआईएमएस अस्पताल में निधन हो गया। वो 59 साल के थे। शुक्रवार को हार्ट अटैक के बाद उन्हें अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया था।

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, अस्पताल की ओर से जारी मेडिकल बुलेटिन में बताया गया कि विवेक ने आज तड़के 4.35 बजे अंतिम सांस ली।

शोक में तमिल इंडस्ट्री

विवेक के निधन के बाद प्रशंसकों से लेकर इंडस्ट्री के तमाम कलाकार शोक व्यक्त कर रहे हैं।

संगीतकार एआर रहमान ने ट्वीट कर लिखा- 'यकीन नहीं हो रहा कि अभिनेता विवेक हमें छोड़कर चले गए।

उनकी आत्मा को शांति मिले। आपने दशकों तक हमारा मनोरंजन किया।

आपकी विरासत हमेशा हमारे साथ रहेगी।

संगीतकार देवी श्री प्रसाद लिखते हैं कि 'हे भगवान, दिग्गज अभिनेता विवेक सर के बारे में इस शॉकिंग न्यूज के साथ उठा हूं। दिल टूट गया है। हमारे समय के महान कॉमेडियन जो हमेशा अपनी कॉमेडी से एक सामाजिक संदेश देते थे।

मैं हमेशा आपका प्रशंसक रहूंगा। आप हमारे दिलों में रहेंगे सर।

अभिनेता प्रकाश राज ने ट्वीट किया कि 'आह, विवेक, मेरे दोस्त इतनी जल्दी चले गए। शुक्रिया विचारों के के लिए। शुक्रिया मनोरंजन करने के लिए और हिम्मत देने के लिए। आपको याद करूंगा।

अभिनेता प्रसन्ना ने भी विवेक को श्रद्धांजलि देते हुए ट्वीट किया।

अभिषेक बच्चन का खुलासा, मां जया ने परवरिश के वक्त हमेशा इस बात का रखा ख्याल

अभिषेक बच्चन इन दिनों फिल्म से लेकर अपने ट्वीट की वजह से चर्चा में बने हुए हैं। बच्चन परिवार से होने के चलते जाहिर है उनकी तुलना हमेशा अमिताभ बच्चन से होती रहती है। सोशल मीडिया पर उन्हें इस वजह से कई बार ट्रोल भी किया जाता रहा है लेकिन अभिषेक इन सब चीजों को दरकिनार करते हुए लगातार अपने काम पर फोकस करते हैं। एक इंटरव्यू में अभिषेक ने कहा कि यह बहुत ही अजीब हो जाता है जब उन्हें किसी के बारे में शिकायत करना होता है। उन्होंने आगे कहा कि उनकी परवरिश एक 'साधारण मध्यमवर्गीय' परिवार की तरह हुई है।

बच्चन परिवार की वजह से दर्शक नहीं आएंगे

बॉलीवुड बबल को दिए इंटरव्यू में अभिषेक अपनी फिल्मों के बारे में कहते हैं कि 'आखिर में जब दर्शक थियेटर में पहुंचते हैं तो वो आपको देखने के लिए पहुंचते हैं। वो आपकी फिल्म के लिए टिकट खरीदते हैं। अगर वो अमिताभ बच्चन, जया बच्चन या ऐश्वर्या राय बच्चन को देखना चाहते हैं तो वो मेरी फिल्मों की टिकट नहीं खरीदेंगे। वो मेरी फिल्में देखने क्यों आएंगे?'

'मिडिल क्लास' की तरह रही जिंदगी

अभिषेक एक 'नॉर्मल' जिंदगी का क्रेडिट अपनी मां को देते हैं। उनका कहना है कि उनकी मां ने इस बात का ध्यान रखा कि सामान्य परवरिश दी जाए।

अभिषेक कहते हैं कि उन्हें अच्छा लगता है जब उनके काम को मान्यता मिलती है। वह स्वीकार करते हैं कि इसमें कुछ गलत नहीं है। आगे उन्होंने कहा कि 'हम सब यहां दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए हैं। हम यहां रचनात्मक संतुष्टि के अलावा तालियों की आवाज सुनने के लिए भी हैं। आप चाहते हैं कि अच्छी तरह से किया जाए। यह एक कलाकार के लिए बेहद अहम है। यह बहुत अच्छी चीज है।

'द बिग बुल' हो चुकी रिलीज

अभिषेक बच्चन की फिल्म 'द बिग बुल' हाल ही में रिलीज हुई है। फिल्म स्टॉक ब्रोकर हर्षद मेहता की जिंदगी पर आधारित है। अमिताभ बच्चन ने फिल्म देखने के बाद अभिषेक की तारीफ की थी। बता दें कि इसी विषय पर निर्देशक हंसल मेहता वेबसीरीज 'स्कैम 1992' बना चुके हैं जिसे काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी।

कार्तिक की कटिंग

'धर्मा प्रोडक्शन' की आगामी फिल्म `दोस्ताना-२' से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। फिल्म से मुख्य कलाकार कार्तिक आर्यन की कटिंग हो गई है, अर्थात उन्हें बाहर निकाल दिया गया है। बॉलीवुड के खबरिया सूत्रों की मानें तो फिल्म को लेकर कार्तिक का व्यवहार काफी अनप्रोफेशनल रहा था, वो अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को मिला कर चल रहे थे।

नतीजतन कार्तिक के लगातार नखरों से परेशान होकर निर्माता-निर्देशक ने यह कदम उठाया है और धर्मा अब आगे भी कार्तिक के साथ कभी काम नहीं करने वाली है।

फिल्म में कार्तिक के साथ जाह्नवी कपूर को मुख्य भूमिका के लिए चुना गया था। फिलहाल फिल्म में कार्तिक की जगह कौन लेगा, यह फाइनल नहीं है। 'दोस्ताना-२' का निर्देशन कर रहे हैं कॉलिन डी'कुन्हा, जबकि प्रोड्यूसर हैं करण जौहर।

शमा का कोरोना शार्टकट

एक्ट्रेस शमा सिकंदर कोरोना और लॉकडाउन के दौरान सभी का कामकाज प्रभावित हुआ। बॉलीवुड सितारे भी इससे अछूते नहीं रहे लेकिन इसी कोरोना काल में शमा सिकंदर का म्यूजिक वीडियो 'हवा करदा' लांच हुआ है। इस गाने में

शमा के साथ गौरव बजाज भी दिखाई देंगे। शमा ने कहा, 'यह एक मजेदार गाना है, एक पेप्पी और ट्रेंडी नंबर है। मुझे यकीन है कि चहुंओर युवा इसे काफी पसंद करेंगे। हमने इसे सभी प्रोटोकॉल को निभाते हुए शूट किया है और हमने इसे बहुत शार्टकट में निपटाया है।' गाने को अफसाना खान और साहिल सिंडिकेट ने गाया है। इसमें गीत का संगीत है और इसे रास ने लिखा है। गाने का वीडियो धवानी गौतम और आलोक ठाकुर द्वारा निर्देशित किया गया है।

'वीरे दी वेडिंग' फेम सुमित व्यास का कोविड 19 टेस्ट पॉजिटिव, सोशल मीडिया पर दी जानकारी

कोविड 19 के बढ़ते मामलों को देखते हुए महाराष्ट्र में कोरोना कर्फ्यू लगा दिया गया है। बॉलीवुड के कई सितारे भी कोरोना संक्रमित हो चुके हैं। इसी कड़ी में 'वीरे दी वेडिंग' फेम अभिनेता सुमित व्यास का नाम जुड़ गया है।

सुमित का कोरोना टेस्ट पॉजिटिव आया है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा कि वो अभी घर पर क्वारंटीन में हैं।

इंस्टाग्राम पर लिखा पोस्ट

सुमित व्यास लिखते हैं कि 'हैलो, मेरा कोविड 19 टेस्ट पॉजिटिव आया है। मैं सभी जरूरी एहतियात बरत रहा हूं और डॉक्टर्स द्वारा दी गई दवाएं ले रहा हूं। मैं घर पर क्वारंटीन में हूं।

मुझमें बहुत हल्के लक्षण हैं लेकिन मैं सभी से निवेदन करता हूं कि जो कोई भी पिछले कुछ दिनों में मेरे संपर्क में आया है वो अपना टेस्ट करा लें। सुरक्षित रहें और जल्द मिलते हैं।

सितारों ने किया कमेंट

सुमित के इस पोस्ट पर अभिनेत्री कुब्रा सैत ने लिखा, 'जल्द ठीक हो जाओ बाबा, यह भी बीत जाएगा।' गोल्डी बहल लिखते

हैं, 'गेट वेल सून।' कॉमेडियन सुनील ग्रोवर ने लिखा, 'गेट वेल सून भाई।' इनके अलावा गजराज राव, साकिब सलीम, जूही बब्बर ने उनके जल्द ठीक होने की दुआएं कीं।

वेबसीरीज से मिली प्रसिद्धि

सुमित व्यास को वेब सीरीज 'परमानेंट रूममेट्स' सीजन 1 और 2 से प्रसिद्धि मिली। उन्होंने 'आराक्षण', 'इंग्लिश विंग्लिश', 'वीरे दी वेडिंग' और 'मेड इन चाइना' जैसी फिल्मों में काम किया है।

फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा हुए कोरोना संक्रमित, खुद को किया क्वारंटीन

कोरोना संक्रमण के मामले हर दिन के साथ बढ़ते जा रहे हैं। पिछले कुछ दिनों में बॉलीवुड के कई सितारे कोविड 19 की चपेट आ चुके हैं। अब फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने बताया कि उनका कोरोना टेस्ट पॉजिटिव आया है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। फिलहाल मनीष ने खुद को होम क्वारंटीन कर लिया है।

सोशल मीडिया पर दी जानकारी

मनीष ने एक तस्वीर साझा की जिस पर प्लस का साइन है। उन्होंने लिखा- 'मेरा कोविड 19 टेस्ट पॉजिटिव आया है। मैंने खुद को तुरंत आइसोलेट कर लिया और घर पर क्वारंटीन रहूंगा। मैं सभी सुरक्षा नियमों का पालन कर रहा हूं और अपने डॉक्टर्स की निगरानी में हूं। कृपया सुरक्षित रहिए और ध्यान रखिए।

सितारों ने की दुआ

मनीष के इस पोस्ट के बाद बॉलीवुड सितारों ने उनके जल्द ठीक होने की दुआ की। भूमि पेडनेकर लिखती हैं- 'जल्दी से ठीक हो जाओ।' वाणी कपूर ने हार्ट का इमोटिकॉन पोस्ट किया। नुसरत भरूचा हैरान होकर लिखती हैं, 'क्या?' साथ ही करण टैकर, अनन्या बिड़ला, सबा पटौदी सहित अन्य ने उनके लिए प्रार्थना की।

आलिया भट्ट के बाद विक्की कौशल ने दी कोरोना को मात, कैटरीना की रिपोर्ट आना बाकी

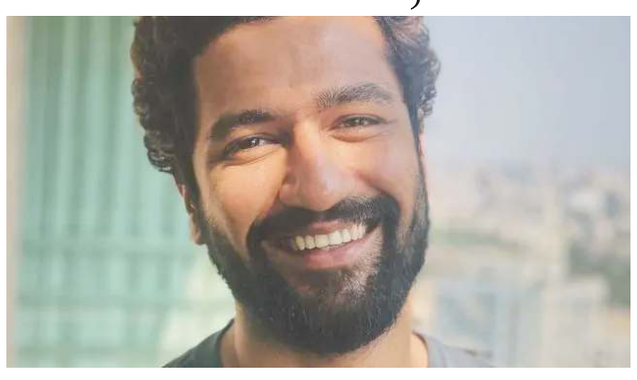

इन दिनों पूरे विश्व में कोविड का कहर जारी है। ऐसे में कई बॉलीवुड सितारे भी इसकी चपेट में आ चुके हैं।

हाल ही में विक्की कौशल भी कोरोना संक्रमित हो गए थे, लेकिन अब विक्की ने कोरोना को मात दे दी है। इस बात की जानकारी खुद विक्की कौशल ने सोशल मीडिया पर दी है।

विक्की का पोस्ट

विक्की कौशल ने एक ओर जहां इंस्टाग्राम पर अपनी एक मुस्कुराती हुई तस्वीर शेयर करते हुए लिखा- निगेटिव। तो वहीं इंस्टा स्टोरी पर भी उन्होंने इस गुड न्यूज को फैन्स के साथ साझा किया।

विक्की कौशल ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर लिखा- 'आज टेस्ट रिपोर्ट निगेटिव आई। आप सभी की प्यारी शुभकामनाओं और संदेशों का धन्यवाद। मेरी प्रार्थनाएं और दुआएं उन सभी के लिए जो रिकवर कर रहे हैं।'

कैटरीना की रिपोर्ट आना बाकी

याद दिला दें कि विक्की कौशल और भूमि पेडनेकर ने पांच अप्रैल को सोशल मीडिया पर कोरोना संक्रमित होने की जानकारी दी थी। वहीं उसके अगले दिन कैटरीना कैफ ने भी इंस्टा स्टोरी पर बताया था कि वो कोरोना संक्रमित हो गई हैं। एक ओर जहां विक्की कौशल की रिपोर्ट निगेटिव आ गई है तो वहीं भूमि और कैटरीना की रिपोर्ट का इंतजार जारी है।

गौरतलब है कि बीते कुछ दिनों में आलिया भट्ट और रणबीर कपूर सहित कई सितारे कोरोना को मात दे चुके हैं।

मिस्टर लेले में साथ नजर आएंगे विक्की और भूमि

याद दिला दें कि जब विक्की की कोविड रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी, तब वो फिल्म मिस्टर लेले की शूटिंग में बिजी थी। फिल्म में विक्की के साथ भूमि पेडनेकर भी नजर आएंगी। फिल्म का निर्देशन शशांक खैतान कर रहे हैं। वहीं फिल्म में वरुण धवन और जाह्नवी कपूर भी नजर आएंगे।

मिस्टर लेले के अलावा विक्की के खाते में इम्मॉर्टल अश्वतथामा और सैम मानेक शॉ की बायोपिक सैम बहादुर भी शामिल है।

मेरा पिया घर आया

अभिनेत्री माधुरी दीक्षित और नौरा फतेही के डांसिंग हुनर का तो हर कोई कायल है। ऐसे में कल्पना कीजिए कि इन दोनों अभिनेत्रियों को एक साथ नाचते हुए देखने का मौका मिल जाए तो कैसा गजब होगा। डांस रिआलिटी शो नच बलिये के मौके पर फैंस को ये मौका मिल ही गया। इस शो में माधुरी जज हैं और शो की परंपरा है कि यहां जो भी मेहमान आता है, शो की जज माधुरी दीक्षित उनके साथ डांस करती हैं। अब ऐसे में नोरा फतेही शो पर पहुंची। इसके बाद माधुरी और नोरा दोनों सितारों ने आइकॉनिक गाने 'मेरा पिया घर आए' पर डांस किया। इस वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर किया गया है। दोनों की जुगलबंदी देखकर दर्शक दंग रह गए।

राष्ट्रीय मानव सग्रहालय-विरासत, कला और संस्कृति का उत्सव।

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

राष्ट्रीय मानव संग्रहालय समुदाय और संग्रहालयों के बीच अंतर्सम्बंधों की रचना के सुगमसंचालक के रूप में कार्य करता है। मानव संग्रहालय की कल्पना स्थान और काल में मानव की गाथा, भारतीय संस्कृति के निर्माण में निहित सम्पन्नता और विविधता पर विषेष बल के साथ प्रस्तुतिकरण हेतु समर्पित एक संस्थान के रूप में की गयी है। केंद्र एक एकल सेट अप के तहत भारत की कला और शिल्प को देखने के लिए एक आदर्श स्थल है। प्रदर्शनी भारत के विभिन्न राज्यों से सावधानीपूर्वक इकट्ठे हुए जीवित विरासत, कला और संस्कृति का उत्सव है। राष्ट्रीयमानवसग्रहालय शहर में श्यामला हिल्स परफैला हुआ है। २००एकड़क्षेत्रफलमेंस्थापितइससंग्रहालयकेदोभागोंमेंहै।एकभागखुलेआसमानकेनीचेहै,औरदूसराएकभव्यभवन में।भोपाल की ऊपरी झील पर स्थित, 'राष्ट्रीय मानव संघालय' को लेक व्यू रोड से या प्रदर्शनकारी स्कूल के पास एक अन्य सड़क से पहुँचा जा सकता है। कुछ स्थायी प्रदर्शनियाँ हैं, जिन्हें मोटे तौर पर a) खुली-प्रदर्शनियों, b) इनडोर दीर्घाओं (वीथी-संकुल और भोपाल गैलरी) और c) आवधिक / अस्थायी प्रदर्शनियों के रूप में वर्गीकृत किया गया है। इसमें अन्य प्रदर्शनियों को भी वर्गीकृत किया गया है।

इस संग्रहालय में समय और स्थान में मानव जाति की कहानी को दर्शाया गया है। मुक्ता काश प्रदर्शनी में भारत की विविधता को दर्शाया गया है। इसमें हिमालयी, तटीय, रेगिस्तानी वजन जातीयनिवास के अनुसार वर्गीकृत कर प्रदर्शित किया गया है। मध्य-भारत की जनजातियों को भी पर्याप्त स्थान मिला है जिनके अनूठेरहन-सहन को यहाँ पर देखा जा सकता है। आदिवासियों के आवासों को उनके बरतन, रसोई, कामकाज के उपकरण अन्न भंडार तथा परिवेश को हस्तशिल्प, देवीदेवताओं की मूर्तियों और स्मृतिचिन्हों से सजाया गया है। भोपाल की ऊपरी झील पर स्थित, 'राष्ट्रीय मानव संघालय' को लेक व्यू रोड से या प्रदर्शनकारी स्कूल के पास एक अन्य सड़क से पहुँचा जा सकता है। कुछ स्थायी प्रदर्शनियाँ हैं, जिन्हें मोटे तौर पर a) खुली-प्रदर्शनियों, b) इनडोर दीर्घाओं (वीथी-संकुल और भोपाल गैलरी) और c) आवधिक / अस्थायी प्रदर्शनियों के रूप में वर्गीकृत किया गया है। इसमें अन्य प्रदर्शनियों को भी वर्गीकृत किया गया है।

खुली हवा में प्रदर्शनियों को आंशिक रूप से विकसित किया गया और जनता के लिए खोला गया: आदिवासी निवास स्थान। कोस्टल विलेज, डेजर्ट विलेज, हिमालयन विलेज, माइथोलॉजिकल ट्रेल, ट्रेडिशनल टेक्नोलॉजी पार्क। केंद्र विभिन्न प्रकार की दिलचस्प कार्यशालाओं की मेजबानी करता है, जो वास्तुकला के छात्रों द्वारा भाग लिया जा सकता है। एक कार्यशाला में प्रकृति के बुनियादी सामग्रियों का उपयोग करके भवन निर्माण के पारंपरिक तरीकों पर ध्यान केंद्रित करने ठाकुर स्कूल वास्तुकला और योजना छात्रों द्वारा भाग लिया गया था।कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को पारंपरिक ज्ञान के प्रति संवेदनशील बनाना और उन्हें उन तरीकों पर मार्गदर्शन करना था, जिनसे पर्यावरण के अनुकूल वास्तुकला का निर्माण किया जा सके। अधिक जानकारी के लिए आप tsap.mumbai.in या http://igrms.gov.in/ पर देख सकते हैं।

Study Tour, Bhopal-2019

रामद्वारके द्वारपाल श्री हनुमानजी है। और हरि भजन एन्ट्री पास है। जब खुदका ही डर लगने लगे,तब समझना कि आप गलत कर रहे हैं।

(दिन-७)

कनखल स्थित हरिहर आश्रम से "मानस-हरिद्वार" के आज सातवें दिन कथारंभे पूज्य बापू ने कहा कि हमारे यहां स्वर्ग, पृथ्वी पाताल-तीन लोक माने गए हैं। यह सभी लोक के द्वार है, और वहां द्वारपाल भी है।ब्रह्मलोक की द्वारपाल विधात्री है।विष्णु लोक के द्वारपाल जय और विजय है।और शिव लोक के द्वारपाल नंदी है।

बापू ने कहा कि अनेक ब्रह्मा, अनेक विष्णु और अनेक महेश जिसमें प्रगट हुए हैं, वह राम तत्व है।ऐसे परम सत्ता रूपी राम द्वार के द्वारपाल हनुमानजी है।

बापू ने कहा कि तुलसीदासजी ने रामचरितमानस में जगह-जगह पर अपनी दीनता प्रकट की है। इसका मतलब यह नहीं कि वह अपने आप को निम्न साबित करना चाहते हैं। वैसे तो हम सभी का शरीर पंचभूत का बना है। तुलसीदास का शरीर पंचभूत के अलावा चार और तत्व से बना है।तुलसीदास में "तु का अर्थ है तुरियातीत" - राम। ल माने शेषावतार लक्ष्मण। सी माने शक्ति,शांति, उर्जा और भक्ति स्वरुपा-माता सीताजी।और दास माने, राम का दास हनुमानजी। तुलसीदासक में राम, लक्ष्मण सीता और हनुमानजी स्वयं बसे हैं।ऐसा आदमी दीन नहीं हो सकता। पर परम तत्व के सामने तो हम सब दिन हीन ही होते हैं।और दीनों के दुख राम के सिवा और कौन दूर कर सकता हैं? इसलिए तुलसी की दीनता भी बलवत्तर है।

जब जब हमारी संस्कृति के दीप की ज्योति मंद हुई, तब तब उसे पुनः प्रज्वलित करने के लिए कोई न कोई महापुरुष आते रहे हैं।

अनेक ब्रह्मा विष्णु महेश जिसमें से प्रकट हुए वह राम तत्व है। परम सत्ता रूपी राम द्वार के द्वारपाल हनुमान जी है।

भगवान रामानुजाचार्य जब दीक्षा लेने, संत के पास आते हैं, उसी वक्त संत नश्वर देह को त्याग कर समाधिस्थ हो जाते हैं।आपकी एक उंगली उठी हुई है।तीन उंगली बंद है। उस वक्त भगवान रामानुजाचार्य तीन प्रण लेते हैं, और फिर तीनों उंगलियां सीधी हो जातीहै।

फिर आप एक और संत से गुरु मंत्र ग्रहण करने जाते हैं। गुरु उसे १८ बार वापस भगा देते है। फिर भी रामानुजाचार्यजी १९ वीं बार गुरु मंत्र लेने जाते हैं।तब सद्गुरु की आंखें भीग जाती है। और वह अष्टादश शब्द का मंत्र देते हैं। पर सावधान करते हैं कि- "यह मंत्र सार्वजनिक नहीं करना। क्योंकि जो भी यह मंत्र सुनेगा या पढेगा, उसे मुक्ति मिल जाएगी। और जो मुक्ति की पात्रता नहीं रखते हो, उसे मुक्ति नहीं देनी चाहिए।रामानुजाचार्यजी एक साल तक मंत्र किसी को नहीं देतें। मगर बादमें पुकार पुकार के यह मंत्र पूरी दुनिया को सुनाने लगते हैं। तब ज्ञानी-मुनि कहते हैं कि "आपने अपने गुरु की आज्ञा का उल्लंघन किया है, इसलिए नर्कमें जाओगे। रामानुजाचार्यजी कहते हैं कि -" अगर इतने दिन-हीन को मुक्ति मिले, इसके लिए मुझे अगर नर्क में जाना पडे तो मंजूर है।"

पूज्य बापूने कहा कि -"व्यासपीठ आप सब को निमंत्रित करती है! हमारी औकात के अनुसार, हम हमारी संस्कृति के दीप को जलाए रखें! और उस दीप में तेल न डाल सको तो न सही, उसे फूंक मारकर बुझाने की कोशिश तो न करो!"

बापू ने कहा कि हमारी प्रत्येक इंद्रीय के एक एक देवता है। कोई महापुरुष के भीतर जब ज्ञान का- भक्ति का, दीप जल जाता है, तो इन देवताओं को जलन होने लगती है।

देवता लोग अच्छे नहीं है। हरि स्मरण करने वालों को देवता भटकाने की कोशिश करते हैं। कोई भक्ति करता है, तब इंद्र घबरा जाता है - इंद्रासन डोलने लगता है। और वह कामदेव को बुलाकर उसकी भक्ति तुड़वाने की कोशिश करता है।

देवर्षि नारद बद्रीनाथ में जाकर, वहाँ के प्राकृतिक सौंदर्य में भगवान की भक्ति में लीन हो जाते हैं।उस वक्त इंद्र, कामदेव को बुलाकर नारदजी की समाधि तुड़वाने का आदेश देता है।काम की कोई कला नारद पर काम नहीं करती।यहाँ तुलसीदास जी ने काम को पापी कहा है।

भजनानंदी के भजन में भंग करना, या ऐसा करने वाले को साथ देना पाप है।कामदेव देवर्षि की भक्ति को छुड़वा नहीं पाता, तो खुद का खुद को ही डर लगने लगता है। जब किसी को खुद का ही डर लगने लगे, तब समझना वह गलत राह पर चल रहे हैं।

साधक के हृदय में ज्ञानोदय हो जाएं, यह बात देवताओं को रास नहीं आती। इसलिए साधक की इंद्रिय के द्वार देवता खोल देते हैं - छल से, बल से या कला से देवता साधक की जिंदगी में जो रोशनी प्रकट है, उसे बुझाने की कोशिश करते है।

हमें तुलसीदास ऐसा दीप दिखाते हैं जिसकी रोशनी कोई भी बुझा नहीं सकता। "राम भक्ति" ऐसा मणि है, जहां अग्नि, सूर्य चंद्र से भी ज्यादा परम प्रकाश है। यह ऐसा दिया है, जिसे कोई कभी बुझा नहीं पाता।

बालकांड में तुलसीजी ने लिख दिया कि "राम नाम स्वयं मणि है।"

उसका प्रकाश शाश्वत है और उसकी ज्योति अखंड है।भक्ति ऐसा मणि है, ऐसा दीपक है!.... और भक्ति कभी आंख दिखाकर नहीं की जाती, दीन बनकर ही की जाती है। इसलिए तुलसीदासजी सदैव दीनता का भाव प्रकट करते हैं।

"तो राम दुआरे तुमुरखवारे" - हनुमानजी रामद्वार के द्वारपाल है। और राम-द्वार में प्रवेश करने के लिए "हरि-भजन" एंट्री पास है।

भगवान श्री कृष्ण के नाम संकीर्तन के साथ बापू ने आज के सातवें दिन की कथा में अपनी वाणी को विराम दिया।

वैक्सीन लेने के बाद कोरोना को झेलना हुआ आसान... चपेट में आ चुके डॉक्टर्स से जानें क्यों है ऐसा

पिछले दिनों देश के दो बड़े अस्पतालों से यह खबर आई कि वहां के 30-35 डॉक्टरों को कोरोना इंफेक्शन हो गया है। लेकिन खास बात यह है कि अधिकतर डॉक्टरों को अस्पताल में भर्ती करवाने की नौबत नहीं आई। वहीं, लोग कह रहे हैं कि अगर वैक्सीन लगने के बाद भी किसी को कोरोना हो सकता है तो वैक्सीन क्यों लगवाएं? ऐसी बातें भी सामने आ रही हैं कि जब यूरोप में एक वैक्सीन का इस्तेमाल रोका गया है तो यहां क्यों लगाई जा रही है?

वैक्सीन लगने के बाद पता नहीं कैसे साइड इफेक्ट्स हों या गंभीर बीमारी हो जाए तो क्या घर में बैठकर कोरोना से बचना इससे अच्छा नहीं है? यहां वे तीन डॉक्टर इन सवालों के जवाब दे रहे हैं जिनको कोरोना इंफेक्शन हुए अभी दो हफ्ते भी नहीं बीते हैं। वे बता रहे हैं कि वैक्सीन लगवाने के बाद होने वाले कोरोना और सामान्य स्थितियों में होने वाले कोरोना में क्या फर्क है।

'वैक्सीन लगे बिना घर से बाहर जाने की परमिशन न हो' डॉ. सुनील गुलाटी सीनियर कंसल्टेंट फिजिशन, एमएस मेट्रो अस्पताल, जबलपुर मैंने 20-25 दिन पहले ही वैक्सीनेशन करवाया था। हेल्थ के कुछ इशू रहते हैं तो थोड़ा इंतजार किया था, इसके अलावा सितंबर में भी मुझे कोरोना हो चुका था। अब दूसरी बार कोरोना ज्यादा संक्रामक है तो फिर से मैं इसका शिकार हो गया हूं। दरअसल हम फ्रंट लाइन वर्कर्स हैं तो हाई रिस्क पर रहते हैं। यह भी सच है कि वायरल लोड हमारे आसपास ज्यादा होता है। वैसे भी मध्य प्रदेश में कोरोना बाकी राज्यों के मुकाबले पहले ही फैल चुका था। अब शुरुआत में बुखार और कफ था, शरीर में दर्द भी महसूस हुआ। इन लक्षणों को सामने आए 48 घंटे हो गए तो RT PCR टेस्ट करवा लिया। रिपोर्ट पॉजिटिव आई तो खुद ही अस्पताल आकर भर्ती हो गया। घर से अलग रहना था क्योंकि हाई रिस्क कैटिगरी है तो दूसरों को भी खतरे में नहीं डाल सकते। परिवार में पैरेंट्स, भाई, पत्नी सभी हैं। मुझे लगता है कि वैक्सीनेशन सबके लिए जरूरी कर देना चाहिए। अगर वैक्सीन नहीं लगी तो बाहर निकलने की परमिशन भी नहीं होनी चाहिए। यह बचाव के लिए है। शरीर में ऐंटिबॉडीज होंगे तो जान बच जाएगी। वायरस अगर नाक और मुंह से शरीर में जाता है तो उसे वैक्सीन नहीं रोक सकती, उसके लिए मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग की जरूरत होती है। फिर भी इंफेक्शन हो जाता है तो वैक्सीन खतरनाक स्थिति में पहुंचने से बचा सकती है। वैक्सीन का कोई साइड इफेक्ट नहीं है। बच्चों को इतने बरसों से वैक्सीन लगती आ रही है, इसके बाद बुखार आता है। लेकिन यह उनके लिए ज़िंदगीभर का बचाव है। जब मैंने वैक्सीन लगवाई तो एक दिन शरीर में दर्द हुआ। पैरासिटामोल की गोली खाकर आराम किया और दूसरे दिन काम पर निकल गए। कोई बड़ा साइड इफेक्ट नहीं दिखा।

चैत्र नवरात्रि के अनुष्ठानीय दिनो में मोरारी बापू द्वारा कथा अनुष्ठान पूर्ण होगा

गत वर्ष कोरोना के आरंभ के दिनों में मोरारी बापू ने रामपरा - राजुला में महात्मा गांधी आरोग्य मंदिर और वृंदावन धाम अध्यात्म मंदिर के लिए "मानस मंदिर" कथा गान शुरु किया था। तीन दिनों के बाद कोरोना की वजह से बापु ने कथा को मुल्तवी किया था। अब बाकी छह दिन की कथा २० से २५ अप्रैल दौरान उसी स्थान पर गाई जाएगी। बिना श्रोता की ईस वर्चुअल कथा ओन लाईन सुनी जाएगी। सावरकुंडला में चल रही नि:शूल्क अस्पताल की पैटर्न पर राजुला में महात्मा गांधी आरोग्य मंदिर बनाने के लिए पूज्य बापू ने चित्रकूट धाम तलगाजरडा की तरफ से सवा लाख देकर इस सेवा यज्ञ में आहुति दी। राजुला के धारासभ्य श्री अमरीश डेर ने सब से पहले दो करोड़ का अनुदान दिया। लोक कलाकार मायाभाइ आहिरने ११ वीघा जमीन दी।श्री अनीलभाइ महेता ने दो करोड़ और लंडन के व्यासपीठ के फ्लावर रमेशभाइ सचदेव ने एक करोड़ और बाकी कूल मिलाकर अब तक सात करोड़ आसपास धनराशि इकट्ठी हो गई है। १४ मार्च को बापुने कहा था कि आज अध्यात्म को आरोग्य की और आरोग्य को अध्यात्म की आवश्यकता है। दोनों प्रकार के मंदिर में व्यवस्था, अवस्था और आस्था - यह तीन होनी चाहिए।

जब विश्व भर में कोरोना महामारी चल रही है, तब बापूने गाया था कि "आवत नगर कुसल रघुराइ।" ईश्वर हम सब का आरोग्य बन कर आयें, ऐसी प्रार्थना बापूने की थी। १५ मार्च के दिन बापूने मास्क और सेनीटाइजर के भाव बढाने की व्यापारिक वृत्ति पर संयम रखने की अपील की थी। बापू ने कहा था कि सनातन धर्म परंपरा में मूलत: सात मंदिर है-राम, कृष्ण, शिव, लक्ष्मी नारायण, हनुमान, गणेश और मा दुर्गा। और आठवां मंदिर आरोग्य मंदिर है। सावरकुंडला और राजुला में नि:शूल्क सारवार मिलेगी, इसी तरह अगर महुवा की हनुमंत अस्पताल भी नि:शूल्क हो जाये तो त्रिवेणी बन जाय। बापू ने कहा आरोग्य मंदिर के नि:शूल्कता नींव की ईंट है। मंदिर की मूर्ति दर्दी है। सत्य इस मंदिर का आधार है। डॉक्टर आरोग्य मंदिर का पूजारी है।

स्टेस्थस्कोप ही उनकी माला है। हृदय में आर्तभाव होना मंदिर की आरती है। दर्दी स्वास्थ्य प्राप्त करें वही प्रसाद है। प्रसाद बांटे, बेचे ना। वेद विचार, विवेक विचार और वैराग्य विचार से दिक्षित लोग जहाँ रहते हो, वह मंदिर ही होता है। बापू ने कहा कि हमारा हृदय भी मंदिर है, जिसमें परमात्मा बिराजमान है। तीसरे दिन की कथा में बापुने कहा कि"सुर दुर्लभ मानुस तनु पावा।" शरीर रुपी इस साधन अगर आरोग्यवान होगा, तभी हम अध्यात्म की यात्रा कर पायेंगे। ऐसे ही, अगर आरोग्य होगा, पर आध्यात्मिकता नहीं होगी, तो भी जीवनकी यात्रा योग्य रुप से नहीं हो पायेगी। इसलिए आरोग्य और अध्यात्म - दोनों चाहिए। बापू ने कहा कि मानस में मन को भी मंदिर कहा है। पर जो सदैव प्रसन्न रहता हो, वही मन मंदिर है। मंदिर में होते हुए भी जो प्रसन्न न रह पायें, ऐसा मन मंदिर नहीं है। ऐसे मलिन मन को पवित्र करने का एक ही उपाय है-बुद पुरुष की चरनरज। संकल्प - विकल्प मन का मैल नहीं है, मन का स्वभाव है।

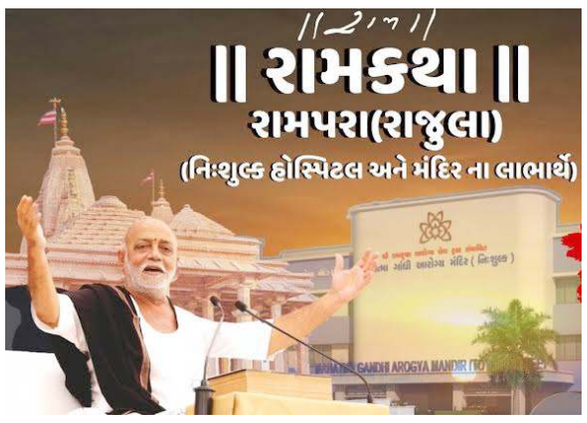

मन का मैल है - राग और द्वैष। इसे निकाल देने से मन मंदिर हो सकता है। मन मंदिर का पूजारी संयम है। मन उत्पात करेगा, पर संयम से उसे शांत रखा जा सकता है। जहाँ सारे भेद मीट जायें, ऐसी शांतिपूर्ण सौम्यता मन मंदिर का प्रसाद है। इस तरह पूज्य मोरारी बापू ने तीन दिन में अध्यात्म मंदिर, आरोग्य मंदिर और मन मंदिर की चर्चा की। कथा के क्रम में पूज्य बापू ने मंगलाचरण के बाद वंदना प्रकरण और आगे चलते हुए राम कथा से पहले शिवकथा का गान करते हुए हर और हरि के बीच सेतुबंध रचा। १६ मार्च को कथा को विराम दिया गया। अभी भी कोरोना की दुसरी और ज्यादा घातक लहर चल रही है, तब पूज्य बापू वर्चुअल कथा गान कर के कथा का अनुष्ठान पूर्ण करेंगे। २५ तारीख को रामकथा की पूर्णाहुति कर के श्री हनुमानजी महाराज को विदा करेंगे। "मानस मंदिर" कथा के माध्यम से बापू समष्टि के कल्याण के लिए हरिनाम संकिर्तन करेंगे।

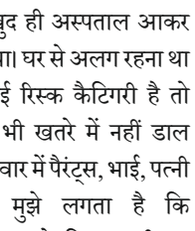

आम यात्रियों को लोकल ट्रेन में सफर की फिर मनाही

मुंबई, आखिरकार मुंबई के वही हाल हो गए, जैसे सितंबर 2020 में थे। उस वक्त कोरोना भी पीक पर था और लोकल ट्रेनों में आम यात्रियों को अनुमति नहीं थी। अब दोबारा वही स्थिति पैदा हो गई है। राज्य सरकार की नई गाइडलाइंस के बाद रेलवे ने भी स्पष्ट किया है कि केवल अति आवश्यक सेवा से जुड़े लोगों को ही एंट्री मिलेगी।

लंबी दूरी के यात्रियों को छूट : नए बंधनों के बीच ये ध्यान रहे कि जो यात्री लंबी दूरी की मेल एक्सप्रेस ट्रेन पकड़ने के लिए अपने गंतव्य स्थानों से निकलते हैं, वे लोकल ट्रेन में सफर कर सकते हैं। मुंबई आने वाले और मुंबई से जाने वाले लोग आरक्षित टिकट दिखाकर लोकल ट्रेन का टिकट प्राप्त कर सकते हैं। टिकट चेकिंग फिर शुरू : रेलवे द्वारा पिछले साल की तरह ही पहचान पत्र धारकों को स्टेशनों में प्रवेश देने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिवाजी सुतार के अनुसार, लोगों के पहचान पत्र देखे जाएंगे। राज्य सरकार की गाइडलाइंस के अनुसार अनुमति वाले लोगों को ही टिकट दिया जाएगा। प्रवेश निकास होगा सीमित : लॉकडाउन के दौरान जिस तरह रेलवे की व्यवस्था थी, अब वैसी व्यवस्था दोबारा होंगी। कई स्टेशनों पर प्रवेश और निकास द्वार सीमित किए जाएंगे। रेलवे के अनुसार इससे अनुमति धारकों को पहचान भी सुनिश्चित होगी और स्टेशन परिसर को सुरक्षित करना भी आसान होगा। जरूरी सेवा वालों को छूट: चिकित्सा कर्मियों, पुलिस कर्मियों, सरकारी कर्मचारियों, बैंक, वित्त, बीमा सेवा के कर्मियों और राज्य सरकार की नई गाइडलाइंस में स्वीकृत की गई श्रेणी को ही अनुमति रहेगी। इसके अलावा समय-समय पर राज्य सरकार द्वारा होने वाले बदलाव के बाद अन्य श्रेणी को इसमें जोड़ा जाएगा।

KAANT FOODS®

Manufacturer of Khakhra & Dry Bhakri in Various Flavor

Khakhra & Dry Bhakri is a thin cracker common in the Gujarati and Rajasthani cuisines of western India, especially among Jains. It is made from mat bean, wheat flour and oil. It is served usually during breakfast. Khakhras are individually hand-made and roasted to provide a crunchy and healthy snack that can be enjoyed with a selection of spicy pickles and sweet chutneys.

20, 1st Floor, Sarvodaya Soceity, Opp. Hotel Oasis, Nr. Umiya Dham Temple, Surat-395006. Gujarat, India.
Email : kaantfoods@gmail.com Mob : 9825770072
Web : www.kaantfoods.com

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।